दैनिक
मिशन नेशनल न्यूज
TITLE CODE.: UTTHIN05386
हिन्दी अखबार
प्रसारित स्थान : उत्तराखण्ड ● प्रयागराज ● मथुरा ● बिजनौर ● सहारनपुर ● मुजफ्फरनगर ● मेरठ ● गाजियाबाद
वेबसाईट पढ़े: www.missionnationalnews.com
वर्ष-2 अंक-340 पृष्ठ-8 : मूल्य : 1 रुपये
हरिद्वार,शनिवार , 07 दिसंबर 2024

संक्षिप्त समाचार

पीएम मोदी ने किया 3 दिवसीय अष्टलक्ष्मी महोत्सव का उद्घाटन

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 6 दिसंबर को दिल्ली के भारत मंडपम में 3 दिवसीय अष्टलक्ष्मी महोत्सव का उद्घाटन किया। यह महोत्सव 6 से 8 दिसंबर तक चलेगा और इसका मुख्य उद्देश्य पूर्वोत्तर भारत के विभिन्न राज्यों की जीवंत संस्कृति का जश्न मनाकर क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देना है।

प्रधानमंत्री मोदी ने महोत्सव के उद्घाटन से पहले पोस्ट कर कहा, यह कार्यक्रम विशेष रूप से पर्यटन, कपड़ा, हस्तशिल्प और अन्य क्षेत्रों में निवेश और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए केंद्रित होगा।

अष्टलक्ष्मी महोत्सव में कई प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे, जो पारंपरिक हस्तशिल्प, हथकरघा, कृषि उत्पाद और पर्यटन जैसे क्षेत्रों में आर्थिक मौकों को बढ़ावा देने वाले है। इस दौरान कारीगर प्रदर्शनियां, ग्रामीण हाट, राज्य विशिष्ट मंडप और तकनीकी सत्र आयोजित होने है। निवेशक गोलमेज सम्मेलन और क्रेता-विक्रेता बैठकें महोत्सव के प्रमुख आयोजनों में शामिल हैं।

इसके अतिरिक्त, महोत्सव में एक डिजाइन कॉन्क्लेव और फैशन शो भी होगा, जिसमें पूर्वोत्तर भारत की समृद्ध हथकरघा और हस्तशिल्प परंपराओं को दिखाया जाएगा। इस कार्यक्रम में क्षेत्र की सांस्कृतिक विरासत को उजागर करने के लिए संगीत प्रदर्शन और स्वदेशी व्यंजन भी पेश किए जाएंगे। इस महोत्सव का आयोजन पूर्वोत्तर भारत के विकास और वहां के व्यापारिक अवसरों को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

राहुल-प्रियंका ने लाल संविधान हाथ में ले सरकार को घेरा

नई दिल्ली

अडानी मुद्दे पर विपक्ष मोदी सरकार को घेरने का कोई अवसर हाथ से जाने नहीं दे रहा है। खासकर कांग्रेस संसद के अंदर बाहर मिल रहे मौके को हाथ से नहीं गंवाना चाहती है। इसी क्रम में आज शुक्रवार को लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही अडानी का मुद्दा सदन में फिर गूंजा है। विपक्षी सांसदों ने इस मुद्दे को लेकर जोरदार हंगामा किया। हंगामें के चलते लोकसभा की कार्यवाही कुछ समय के लिए स्थगित कर दी गई।

यहां कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी और वायनाड सांसद प्रियंका गांधी ने इस मुद्दे पर संसद के बाहर भी आवाज बुलंद की है। विपक्षी सांसदों ने संसद परिसर में संविधान की लाल कॉपी लेकर विरोध प्रदर्शन किया।

इस विरोध प्रदर्शन में राहुल गांधी के साथ उनकी बहन प्रियंका गांधी भी संविधान की लाल कॉपी हाथ में लिए नजर आईं हैं।

विपक्षी सांसद मुंह पर काला मास्क लगाकर विरोध प्रदर्शन करते नजर आए हैं।

गौरतलब है कि संसद का शीतकालीन सत्र का पहला सप्ताह हंगामें की भेंट चढ़ने के बाद दूसरे सप्ताह गतिरोध टूटा, लेकिन अंतिम दिन शुक्रवार को पुनः हंगामा देखने को मिला है।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने उत्तराखंड में विकास परियोजनाओं के लिए 20 करोड़ रुपये मंजूर किए

उत्तराखंड: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य भर में कई विकास परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिसमें बुनियादी ढांचे, स्वास्थ्य, शिक्षा और जलापूर्ति सुधार के लिए पर्याप्त धनराशि आवंटित की गई है, अधिकारियों ने शुक्रवार को कहा। अधिकारियों के अनुसार, वित्तीय वर्ष 2024-25 में, मुख्यमंत्री ने देहरादून जिले के विकासनगर ब्लॉक में राजकीय डिग्री कॉलेज, डॉकपाथर में प्रशासनिक, वाणिज्य संकाय और कला संकाय भवनों के निर्माण के लिए 450 लाख रुपये मंजूर किए। उन्होंने भटवाड़ी (उत्तरकाशी जिले) में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को 50 बिस्तरों वाले उप-जिला अस्पताल में उन्नत करने की भी मंजूरी दी। मुख्यमंत्री ने राज्य योजना के तहत नैनीताल जिले के भीमताल विधानसभा क्षेत्र के विकासखंड रामगढ़ में मटियाली से प्राचीन मंदिर कलीरी वाया इंटर कॉलेज और प्राथमिक विद्यालय तक 1 किमी मोटर मार्ग के पुनर्निर्माण और डामरीकरण और मौना-ल्वेशाल कालापातल मोटर मार्ग के 10 किमी और ल्वेशाल इंटर कॉलेज से घटगाड़ मोटर मार्ग के 1 से 4 किमी के लिए कुल 323.69 लाख रुपये की मंजूरी दी है। मुख्यमंत्री ने राज्य योजना के अंतर्गत केदारनाथ विधानसभा क्षेत्र में रामबाड़ा से गरुड़चट्टी तक नवनिर्मित पैदल मार्ग में पत्थर लगाने एवं रेलिंग लगाने के कार्य हेतु कुल 572.04 लाख की धनराशि स्वीकृत की है।

मुख्यमंत्री ने मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत राजकीय इंटर कॉलेज रातीघाट, नैनीताल का नामकरण शहीद सैनिक संजय बिष्ट के नाम पर करने की भी स्वीकृति दी है। मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत जनपद देहरादून के पित्थूवाला शाखा में दून एन्क्लेव एक्सटेंशन क्षेत्र में नलकूप, राइजिंग मेन, वितरण प्रणाली एवं इससे संबंधित कार्यों के लिए कुल 412.60 लाख की धनराशि स्वीकृत की है। मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत जनपद देहरादून के रायपुर विधानसभा क्षेत्र की एकता विहार पेयजल योजना के कार्य हेतु 200 लाख की स्वीकृति दी है। मुख्यमंत्री घोषणा के अंतर्गत जनपद देहरादून के उत्तर शाखा के अंतर्गत कौलागढ़ क्षेत्र में विभिन्न क्षेत्रों में जीर्ण-शीर्ण पाइप लाइन के स्थान पर नई पाइप लाइन बिछाने की योजना हेतु कुल 431.99 की धनराशि स्वीकृत की है।

किसान आंदोलन : शंभू बॉर्डर पर किसानों का प्रदर्शन, पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे

नई दिल्ली

शंभू बॉर्डर पर किसान संगठनों का आंदोलन एक बार फिर जोर पकड़ता दिखा है। आठ महीने से धरने पर बैठे किसानों ने सोमवार को दिल्ली चलो आंदोलन के तहत बैरिकेड तोड़कर दिल्ली की ओर कूच करने का प्रयास किया। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले दागे और एक किसान को हिरासत में ले लिया। अंबाला में इंटरनेट सेवाएं अस्थायी रूप से बंद कर दी गई हैं और सार्वजनिक सभाओं पर भी रोक लगाई गई है।

पिछले 8 महीने से शंभू बॉर्डर पर धरना दे रहे किसान संगठन एक बार फिर दिल्ली कूच की कोशिश करते नजर आ रहे हैं। धरना-प्रदर्शन के बीच शंभू बॉर्डर पर किसानों ने आगे बढ़ने की कोशिश भी की हैं। किसानों ने आगे बढ़ते हुए बैरिकेड की एक लेयर को रास्ते से हटा दिया, जिसे देखते हुए पुलिस ने आंसू गैस के गोले दागे हैं, वहीं एक किसान को डिटेन भी किया गया है। किसान अपनी विभिन्न मांगों को लेकर पिछले 08 महीनों से धरना-प्रदर्शन कर रहे हैं। ऐसे में शुक्रवार को करीब 1 बजे 101 किसानों का पहला जत्था पैदल दिल्ली रवाना होने के लिए जुटा। किसान ट्रैक्टर-ट्रॉली के बिना ही दिल्ली की ओर बढ़ने की कोशिश कर रहे थे। बताते चलें कि किसानों का यह आंदोलन पिछले साल 13 फरवरी से शंभू बॉर्डर पर जारी है।

किसान आंदोलन को देखते हुए हरियाणा और दिल्ली पुलिस ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए सख्त इंतजाम किए हैं। शंभू बॉर्डर पर सुरक्षा बलों को तैनात किया गया है। अर्धसैनिक बल, ड्रोन के साथ ही किसी भी स्थिति से निपटने के लिए वाटर कैनन के उपाय किए गए हैं। अंबाला में इंटरनेट सेवाएं अस्थायी रूप से बंद कर दी गई हैं और सार्वजनिक सभाओं पर रोक लगाई गई है।

दिल्ली चलो आंदोलन

किसानों ने इस आंदोलन को दिल्ली चलो नाम दिया है। उनका कहना है कि यह सरकार तक अपनी मांगें पहुंचाने का प्रयास है। पंजाब और हरियाणा को जोड़ने वाले शंभू बॉर्डर पर किसानों का यह प्रदर्शन प्रशासन के लिए चुनौती बना हुआ है। पंजाब-हरियाणा बॉर्डर के इस संवेदनशील क्षेत्र में पुलिस ने स्थिति पर कड़ी नजर बनाए रखी है।

भारतीय संविधान के शिल्पकार थे बाबा साहेब

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर की पुण्य तिथि पर मुख्यमंत्री आवास में उनके चित्र पर श्रद्धा सुमन अर्पित कर श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय संविधान के शिल्पकार, महान समाज सुधारक, भारत रत्न से अलंकृत बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर का संपूर्ण जीवन संघर्ष, समानता और सामाजिक न्याय की अद्वितीय मिसाल है। हमें उनके आदर्शों पर चलकर एक समतामूलक समाज के निर्माण का संकल्प लेना होगा।

महिला की मौत मामले में अल्लू अर्जुन कानूनी पचड़े में फंसे

मुंबई

पुष्पा 2 फिल्म के अभिनेता अल्लू अर्जुन कानूनी पचड़े में फंस गए हैं। उनके खिलाफ गैर-इरादतन हत्या का केस दर्ज हुआ है। दरअसल, 4 दिसंबर को हैदराबाद में पुष्पा 2 की स्क्रीनिंग के दौरान मची भगदड़ में एक महिला की मौत मामले में केस दर्ज हुआ है। अल्लू के अलावा उनकी सुरक्षा एजेंसी और संध्या थिएटर के खिलाफ गैर-इरादतन का केस दर्ज हुआ है। बताया जा रहा है कि अल्लू बताए बिना ही 4 दिसंबर की रात हैदराबाद के संध्या थिएटर पहुंच गए थे। वह वहां अपनी फिल्म पुष्पा 2 की स्क्रीनिंग के लिए गए थे। अल्लू अर्जुन को देख थिएटर के बाहर खड़े फैंस अपने चेहते अभिनेता को देखने के लिए उमड़ पड़े और भगदड़ मच गई। रिपोर्ट्स के मुताबिक फैंस का पूरा हुजूम थिएटर के अंदर घुसने की कोशिश करने लगा। इससे अंदर भारी भीड़ हुई और लोगों को सांस लेने में दिक्कत होने लगी। भीड़ को काबू में लाने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज भी करना पड़ा पर जिससे स्थिति बिगड़ गई। सांस घुटने से कुछ लोग बेहोश भी हो गए जिन्हें बाद में अस्पताल में भर्ती किया गया। इस दौरान एक महिला की मौत हो गई। पूरे मामले में अल्लू अर्जुन को जिम्मेदार ठहराया गया है। अभिनेता के साथ-साथ उनकी सुरक्षा एजेंसी और संध्या थिएटर के खिलाफ केस दर्ज किया गया है।

संसद का शीतकालीन सत्र : महापरिनिर्वाण दिवस पर संसद के लॉन में बाबासाहब आंबेडकर को दी गई श्रद्धांजलि

नई दिल्ली

संसद के शीतकालीन सत्र के दूसरे सप्ताह का आज 06 दिसंबर शुक्रवार को अंतिम दिन है। आज सुबह संसद की कार्यवाही शुरू होने से पूर्व संविधान निमार्ता बाबासाहब भीमराव आंबेडकर के महानिर्वाण दिवस पर उन्हें संसद के लॉन में श्रद्धांजलि अर्पित की गई। इसके बाद लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्ष के सांसदों ने जय संविधान के नारे लगाने शुरू कर दिए। इस पर स्पीकर ओम बिरला ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि सदन की गरिमा को बनाए रखें और सदन चलाने में सहयोग करें। हंगामा बढ़ता देख लोकसभा की कार्यवाही दोपहर 12 बजे तक स्थगित कर दी गई। शीतकालीन सत्र के दूसरे हफ्ते का आज अंतिम दिन भी लोकसभा की कार्यवाही हंगामें की वजह से दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित करनी पड़ी है।

कैलिफोर्निया में सुबह सुबह 7 की तीव्रता से आया भूकंप, 53 लाख लोगों पर मंडराया संकट

कैलिफोर्निया

अमेरिका के कैलिफोर्निया में सुबह सुबह बहुत जोरदार भूकंप आया। करीब 7 की तीव्रता से वाले इस भूकंप की वजह से 53 लाख लोगों पर संकट पर आ गया। भूकंप के जोरदार झटकों से अमेरिका सहम गया। अमेरिका के उत्तरी कैलिफोर्निया में गुरुवार को 7.0 तीव्रता के भूकंप के झटके महसूस किए गए। भूकंप के झटके इतने तेज थे कि ग्रोसरी स्टोर में रखा सामान गिर गया। आनन-फानन में स्कूलों में बच्चों को डेस्क के नीचे बैठाया गया। अमेरिकी पश्चिमी तट पर रह रहे 53 लाख लोगों के लिए सुनामी की चेतावनी भी जारी करनी पड़ी।

भूकंप के कुछ देर बाद ही उत्तरी कैलिफोर्निया में लोगों के फोन पर राष्ट्रीय मौसम सेवा की तरफ से सुनामी की चेतावनी जारी की गई। इस चेतावनी में कहा गया था कि आपके तट के पास तेज लहरें और समुद्री बहाव देखने को मिल सकता है। आप खतरे में हैं। तुरंत समुद्र किनारे से हट जाएं। किसी ऊंची जगह पर चले जाएं या फिर अंदरूनी इलाकों में चले जाएं। सैन फ्रांसिस्को के दक्षिण में सांता क्रूज में प्रशासन ने मुख्य समुद्र तट को खाली करवा दिया और पुलिस ने जगह-जगह पर टेप लगाकर लोगों के आने-जाने पर रोक लगा दी। अमेरिकी भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण ने बताया कि भूकंप सुबह (गुरुवार स्थानीय समयानुसार) 10:44 बजे फेरंडेल शहर के पश्चिम में आया। फेरंडेल, हम्बोल्ट काउंटी का एक छोटा सा शहर है। ये जगह ओरेगॉन सीमा से 209 किलोमीटर दूर है। भूकंप के झटके दक्षिण सैन फ्रांसिस्को तक महसूस किए गए। सैन फ्रांसिस्को यहां से 435 किलोमीटर दूर है। यहां लोगों ने कुछ सेकंड तक धरती हिलती हुई महसूस की। इसके बाद भूकंप के कई छोटे-छोटे झटके भी आए। हालांकि, अभी तक किसी बड़े नुकसान या किसी के घायल होने की सूचना नहीं है।

भूकंप के झटकों के बाद सुनामी की चेतावनी करीब एक घंटे तक जारी रही। भूकंप के तुरंत बाद यह चेतावनी जारी की गई थी।

यह चेतावनी कैलिफोर्निया के मोंटेरे बे के किनारे से लेकर ओरेगॉन तक करीब 500 मील (805 किलोमीटर) तक के तटीय इलाकों के लिए थी। सुनामी का खतरा करीब 50 लाख से अधिक लोगों के लिए था। गोल्डन गेट मकेंटाइल फर्नडेल के मालिक के मुताबिक, भूकंप के झटके काफी तेज थे। हमारी इमारत हिल गई। हम तो ठीक हैं लेकिन अभी बहुत सारा सामान इधर-उधर बिखरा पड़ा है जिसे मुझे समेटना है। गोल्डन गेट मकेंटाइल फर्नडेल का एक मशहूर स्टोर है। यहां खाने-पीने का सामान और सजावट का सामान मिलता है। यह इलाका अपने लाल लकड़ी के जंगलों, खूबसूरत पहाड़ों और तीन-काउंटी एमरल्ड ट्रायंगल की मशहूर मारिजुआना की फसल के लिए जाना जाता है। 2022 में भी इसी इलाके में 6.4 तीव्रता का भूकंप आया था। इसकी वजह से हजारों लोग बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं के बिना रहने को मजबूर हो गए थे। भूकंप विज्ञानी लूसी जोन्स ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ब्लूस्काई पर बताया कि कैलिफॉर्निया का उत्तर-पश्चिमी हिस्सा भूकंप के लिहाज से सबसे अधिक संवेदनशील है क्योंकि यहीं पर टेक्टोनिक प्लेटें मिलती हैं।

संपादकीय

उपराष्ट्रपति के किसानी सवाल

संसद की कार्यवाही सुचारू रूप से चले, इस पर स्पीकर ओम बिरला की अध्यक्षता में सभी दलों में सहमति तो बनी थी, लेकिन वह सहमति कारगर कब होगी? मंगलवार को भी दोनों सदनों में हंगामा हुआ, विपक्ष नारेबाजी करता हुआ अध्यक्ष के आसन तक भी पहुंचा, लिहाजा वह सर्वदलीय सहमति फर्जी लगी। विपक्ष ने संसद से बहिर्गमन तक किया, लेकिन लौट कर कार्यवाही में भी शिरकत की। प्रश्नकाल के दौरान सांसदों ने सवाल भी पूछे। शून्यकाल की भी संभावनाएं जगीं, लेकिन बुनियादी सवाल यह है कि संसद की कार्यवाही बाधित क्यों की जाए? क्या अदाणी कांड वाकई राष्ट्रीय और संसदीय मुद्दा है, जिस पर कांग्रेस और कुछ विपक्षी दल हंगामा कर रहे हैं और संयुक्त संसदीय समिति (जेपीसी) के गठन की मांग कर रहे हैं? यदि अदाणी समूह ने कुछ गलत किया है, तो वह अमरीकी अदालत तय करेगी और दंडित करेगी। भारत में यह कांड आपराधिक नहीं है और न ही ऐसा कोई न्यायिक निष्कर्ष सामने आया है। अदाणी कांड पर ही विपक्ष के इंडिया गठबंधन में दरारें उभरी हैं। इंडिया में सर्वसम्मति कभी नहीं रही। राज्यसभा मंर नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खडगे के आवास पर इंडिया के सहयोगी दलों की जो बैठक हुई थी, उसमें तृणमूल कांग्रेस और समाजवादी पार्टी के नेताओं ने भाग नहीं लिया। वे लगातार मानते रहे हैं कि संसद की कार्यवाही सुचारू चलनी चाहिए। अदाणी ऐसा मुद्दा नहीं है, जिस पर संसद की कार्यवाही स्थगित करने को बाध्य होना पड़े। सपा नेता अखिलेश यादव के साथ 37 सांसद लोकसभा में हैं। उनके लिए संभल क्षेत्र की सांप्रदायिक हिंसा और आम नागरिकों की मौत नरसंहार से कम नहीं है। आखिर हरेक जामा मस्जिद के नीचे हिंदू मंदिर दफन के ऐतिहासिक अतीत को क्यों खोदा जाए? ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस के 29 सांसद लोकसभा में हैं। उनके लिए बेरोजगारी, बढ़ती महंगाई, विपक्ष द्वारा शासित राज्य सरकारों के प्रति केंद्र सरकार का सौतेला और भेदभाव वाला रवैया, केंद्र द्वारा पूंजी का अपर्याप्त आवंटन आदि बेहद महत्वपूर्ण मुद्दे हैं, जिन पर संसद में बहस होनी चाहिए। तृणमूल के लिए अदाणी कांड बेमानी, फिजूल है। सपा और तृणमूल इस राजनीति के भी पक्षधर नहीं हैं कि प्रधानमंत्री मोदी और अदाणी परस्पर पूरक हैं। हालांकि कांग्रेस, आप, राजद, शिवसेना (उद्धव), द्रमुक और वामदलों के सांसदों ने संसद भवन के मकर द्वार की सीढ़ियों पर विरोध-प्रदर्शन किया, लेकिन सपा और तृणमूल कांग्रेस उसमें शामिल नहीं हुए। सवाल यह है कि क्या संसद में इंडिया गठबंधन विभाजित हो चुका है? क्या इंडिया निर्णायक तौर पर खंड-खंड हो चुका है और अब मोदी सरकार के लिए कड़ी चुनौती नहीं है? चूंकि चुनावों के दौरान इंडिया के कई घटक दलों ने अलग-अलग चुनाव लड़े, लिहाजा सवाल है कि क्या अब इंडिया भीतरी तौर पर भी एक बंटा हुआ गठबंधन है? संसद की कार्यवाही बेशकीमती है, क्योंकि वह देश के निर्वाचित सांसदों का सबसे बड़ा, महत्वपूर्ण सदन है। संसद में कानून बनाए जाते हैं तथा सांसद अपने क्षेत्र की समस्याओं को आवाज दे सकते हैं। संसद की कार्यवाही स्थगन से कितना पैसा बर्बाद होता है, अब यह उतना संवेदनशील मुद्दा नहीं रहा, क्योंकि इसकी चर्चा बार-बार की जाती है, लेकिन यह चिंतित स्थिति है कि 5 दिन में लोकसभा सिर्फ 69 मिनट और राज्यसभा 94 मिनट ही काम कर पाई।

(चिंतन-मनन)

मन का क्रिय

एक प्रोफेसर अपने कमरे में बैठे थे। उनके पास एक व्यक्ति आकर बोला, धन्यवाद, आप जैसा परिश्रमी और योग्य प्रोफेसर मैंने नहीं देखा। आपके परिश्रम से ही मेरा लड़का उत्तीर्ण हो सका है। सौ-सौ साधुवाद! इतने में दूसरा व्यक्ति आकर बोला, आप जैसा परिश्रम से जी चुराने वाला प्रोफेसर मैंने कहीं नहीं देखा। आपके कारण ही मेरा लड़का अनुत्तीर्ण हुआ। पहले व्यक्ति की बात सुनकर प्रोफेसर प्रसन्नता से झूम उठा और दूसरे व्यक्ति की बात सुनकर वह विषण्ण हो गया। यह सारा खेल मन का है। एक घटना मन के अनुकूल थी तो प्रसन्नता का प्रवाह चल पड़ा। वहीं दूसरी घटना मन के प्रतिकूल थी तो विषण्णता का वातावरण बन गया। जब भोजन अच्छा बनता है तो पत्नी को उसके लिए सौ-सौ साधुवाद दिया जाता है। जब कभी भोजन स्वादिष्ट नहीं बनता या नहीं लगता तब परोसी हुई थाली को ठोकर भी मार दी जाती है। यह सारा मन का कार्य ही होता है। भोजन सिर्फ भोजन होता है। पदार्थ सिर्फ पदार्थ होता है। उसमें स्वादिष्ट या अस्वादिष्ट का आरोपण हम स्वयं करते हैं, हमारा मन करता है।

देवेंद्र फडणवीस भाजपा के लिए चाणक्य बन चमक रहे हैं

–ललित गर्ग–

महाराष्ट्र में सरकार गठन की राजनीति में दस दिन की सघन वाताओं और खासी नाटकीयता के बाद आखिर अंधेरा छंट गया और देवेंद्र फडणवीस तीसरी बार महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री बनने जा रहे हैं। फडणवीस का मुख्यमंत्री बनना न केवल महाराष्ट्र बल्कि देश की राजनीति को एक नई दिशा एवं दृष्टि देगा। क्योंकि फडणवीस ने अपने राजनीतिक कौशल से न केवल नये मानक गढ़े हैं बल्कि सकारात्मक राजनीति को नये आयाम दिये हैं। हार का कारण स्वयं को मानने एवं जीत का श्रेय पार्टी एवं सहयोगी दलों को देने की विराट सोच रखने वाले फडणवीस को अब भाजपा के शीर्ष नेताओं में शुमार किया जाने लगा है। फडणवीस ने राजनीति के चाणक्यों के चक्रव्यूहों को कुछ ऐसा भेदा कि लोग उन्हें आधुनिक अभिमन्यु भी कहने लगे। बात सही भी है फडणवीस अब किसी चक्रव्यूह में फंसते नहीं बल्कि उसे भेदकर बाहर निकलते हैं। सामने कोई भी हो शह और मात के खेल में उनकी जीत अब गारंटी बन चुकी है। वे भाजपा के लिए चाणक्य हैं तो विपक्ष के लिए अबूझ पहेली। पिछले एक दशक से महाराष्ट्र की राजनीति उनके ही इर्द-गिर्द घूम रही है। ऐसे कद्दावर राजनेता के नेतृत्व में निश्चित ही अगली पारी सफल होने वाली है। बावजूद इसके विशाल बहुमत वाली इस सरकार के मुखिया के तौर पर फडणवीस की यह पारी किसी भी रूप में कम चुनौतीपूर्ण नहीं है। फिर भी महाराष्ट्र को राजनीतिक स्थिरता और विकास के नए दौर में ले जाने की जिम्मेदारी निभाते हुए वह हर चुनौती के पार जायेंगे, लोगों ने उनकी पार्टी और सहयोगी दलों पर जो भरोसा जताया है, महायुति सरकार उनकी उम्मीदें पूरी करके एक नये इतिहास का सृजन करेंगी, इसमें कोई शंका दूर तक नजर नहीं आती।

तीसरी बार मुख्यमंत्री का ताज पहनने वाले देवेंद्र फडणवीस ने प्रखर राजनेता, अजातशत्रु, दूरदर्शी नायक एवं महाराष्ट्र-निमार्ता के रूप में न केवल देश के लोगों का दिल जीता है, बल्कि विरोधियों के दिल में भी जगह बनाकर, अमिट यादों को जन-जन के हृदय में स्थापित कर अनेक राजनीतिक कीर्तिमान स्थापित किये हैं। फडणवीस यह नाम महाराष्ट्र राजनीतिक इतिहास का एक ऐसा स्वर्णिम पृष्ठ है, जिससे एक सशक्त जननायक, स्वप्नदर्शी राजनायक, आदर्श चिन्तक, नये महाराष्ट्र के निमार्ता, कुशल प्रशासक के साथ-साथ राजनीति को एक खास रंग देने की महक उठती है। उनके व्यक्तित्व के इतने रूप हैं, इतने आयाम हैं, इतने रंग हैं, इतने दृष्टिकोण हैं, जिनमें वे व्यक्ति और नायक हैं, प्रशासक और राजनेता हैं, प्रबुद्ध और प्रधान है, वक्ता और नेता हैं, शासक एवं लोकतंत्र उन्नायक हैं। महाराष्ट्र राजनीति की एक खास स्थिति जहां सहयोगी दलों की आकांक्षाओं का ध्यान रखने और उन्हें यथासंभव संतुष्ट रखने की जरूरत से जुड़ी चुनौती है वहीं आगामी स्थानीय निकाय चुनावों में महायुति से जुड़े दलों पर बेहतर प्रदर्शन की बड़ी जिम्मेदारी है। हालांकि पहली चुनौती मंत्रिमंडल में विभागों के बंटवारे को संतोषजनक ढंग से निपटाने की है। एक बड़ी चुनौती महाराष्ट्र में भाजपा की ताकत को बलशाली बनाने की भी है। इन सब चुनौतियों एवं परिस्थितियों के बीच संतुलन बनाने एवं उनसे पार पाने की क्षमता फडणवीस में दिखती है। जो व्यक्ति 2022 में एकनाथ शिंदे मंत्रिमंडल में मुख्यमंत्री की बजाय उपमुख्यमंत्री की भूमिका मंजूर कर लेता है, पद से ज्यादा पार्टी हित को सामने रखता है, विशिष्ट परिस्थितियों में पार्टी के आग्रह पर न केवल सरकार का सुचारू संचालन सुनिश्चित करता है बल्कि चुनाव में पार्टी की अगुआई करते हुए उसे शानदार जीत भी दिलाता है, तो उन्हें मुख्यमंत्री की भूमिका सौंपी जा रही है तो अपनी पात्रता तो वह पहले ही अच्छी तरह सिद्ध कर चुके हैं, अब तो शासन के नये मानक गढ़ने है।

यह स्पष्ट है कि देवेंद्र फडणवीस के राजनीतिक जीवन के नए दौर की शुरूआत संभावनाभरी है। भाजपा विधायक दल का नेता चुने जाने के बाद उन्होंने अपने भाषण में हिंदवी स्वराज से लेकर अहिल्याबाई होलकर का नाम लेकर अपनी राजनीतिक धारा को बिल्कुल स्पष्ट किया। चुनाव प्रचार के दौरान भी उनकी छवि आत्मविश्वास से भरे हिंदुत्ववादी शुद्ध स्वयंसेवक भाजपा नेता की बनी। उन्होंने कट्टरपंथी मुस्लिम नेताओं और उनको समर्थन देने वाले महाविकास आघाड़ी के विरुद्ध लगातार प्रखर प्रहार से अपनी छवि वर्तमान राजनीतिक धारा के अनुरूप बनाई। चुनाव के समय लगा था कि एक हैं तो सेफ हैं और बंटेंगे तो कटेंगे नारे को लेकर महायुति में मतभेद के बावजूद उन्होंने गजब का संतुलन बनाते हुए इन नारों के बल पर महायुति की जीत को उच्च शिखर देकर सबको आश्चर्यचकित किया। महायुति सरकार की नई पारी पिछली पारी जैसी सहजता और स्थिरता दिखा पाएगी या नहीं यह सवाल तो खड़ा ही है, लेकिन इस सवाल को नकारते हुए नयी सरकार अपना पूरा कार्यकाल उतार-चढ़ाव के बावजूद निष्कंटक पार करेगी। दो पुरानी और सुगठित राजनीतिक पार्टियों में हुई असाधारण तोड़फोड़ के परिणास्वरूप बनी महायुति ने हालांकि 2024 विधानसभा चुनावों में अपनी सार्थकता सिद्ध कर दी है और इसलिए अब इसे किसी भी रूप में कृत्रिम गठबंधन नहीं कहा जा सकता। फिर भी नए मुख्यमंत्री और भाजपा नेतृत्व को सहयोगी दलों को साथ लेकर चलने और किसी भी असंतोष से बचने पर खास ध्यान देना होगा।

फडणवीस का राजनीतिक जीवन अनेक विशेषताओं एवं उपलब्धियों से भरा रहा है। उन्होंने अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के माध्यम से उसकी शुरूआत की। उनके पिता स्व. गंगाधरराव फडणवीस विधान परिषद सदस्य थे। लेकिन इस राजनीतिक विरासत का सहारा लेने के स्थान पर फडणवीस ने अपनी खुद की पहचान बनाई। सामान्य कार्यकर्ता की तरह खुद को तराशा। वे सदा दूसरों से भिन्न रहे, अनूठे रहे। घाल-मेल से दूर। भ्रष्ट राजनीति में बेदाग। विचारों में निडर। टूटते मूल्यों में अडिग। घेरे तोड़कर निकलती भीड़ में मर्यादित। वे भारत के इतिहास में उन चुनिंदा नेताओं में शामिल हैं जिन्होंने सिर्फ अपने नाम, व्यक्तित्व और करिश्मे के बूते पर न केवल सरकार बनाई बल्कि एक नयी सोच की राजनीति को पनपाया, पारदर्शी एवं सुशासन को सुदृढ़ किया।

2014 में पहली बार महाराष्ट्र का मुख्यमंत्री बनने के बाद फडणवीस अपनी कल्पनाशीलता, दूरदर्शिता, दृढ़संकल्प, राजनीतिक कौशल एवं अभिनव परियोजनाओं के माध्यम से उन्होंने अपनी असीम क्षमताओं को आकार दिया।

उनकी नेतृत्व क्षमता और लोकप्रियता का अंदाज इसी बात से लगाया जा सकता है कि 2014, 2019 और 2024 के विधानसभा के चुनाव भाजपा ने फडणवीस के नेतृत्व में लड़े और शानदार प्रदर्शन किया, तीनों बार भाजपा सबसे बड़ी पार्टी के रूप में उभरी। 2019 में उनके नेतृत्व में भाजपा की चुनावी जीत के बावजूद अविभाजित शिवसेना के मुखिया उद्धव ठाकरे की जिद के कारण वह मुख्यमंत्री नहीं बन पाए, हालांकि राकांपा नेता अजित पवार के साथ मिलकर उस वक्त उन्होंने तीन दिन की सरकार जरूर बनाई। यह प्रयोग विफल होने के बाद उनके विरोधियों ने उनकी रणनीतिक क्षमता पर सवाल भी उठाए थे लेकिन देवेंद्र फडणवीस को अपनी क्षमता पर पूरा भरोसा था और उन्होंने कहा भी था कि वे पूरे जोश से आयेंगे, तमाम तूफानों के बीच से विजेता की तरह फिर उभरेंगे। ऐसा उन्होंने करके दिखाया। भाजपा को प्रचंड बहुमत दिलाने के बावजूद फडणवीस को मुख्यमंत्री पद हासिल करने के लिए खासी जद्दोजहद करनी पड़ी है। भाजपा के प्रदर्शन में फडणवीस ने अपने योगदान का पुरजोर दावा किया है। वे चुनाव-प्रचार अभियान के दौरान पार्टी का मुख्य चेहरा थे और उन्होंने राज्य के सभी छह क्षेत्रों में 64 रैलियां कीं। उनको मिली शानदार सफलता में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से उन्हें मिला अटूट समर्थन था।

संघ इस बात पर अड़ा हुआ था कि भाजपा को कार्यकताओं का मनोबल ऊंचा रखने के लिए इस बार मुख्यमंत्री पद के लिए राजस्थान, छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश की तरह लो-प्रोफाइल नेता नहीं चाहिए और फडणवीस ही इस पद के लिए उसकी पहली पसंद हैं। शाह, योगी और फडणवीस- इन तीनों के सामने अभी बहुत वर्षों की राजनीति शेष है।

भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की ओर बढ़ते हुए फडणवीस को ऐसे सर्वमान्य व्यक्ति के रूप में देखा जाता है, जो खींचतान और दबाव के बीच संतुलन बनाए रखते हैं, उनमें हर बड़ी-से-कड़ी जिम्मेदारी को निभाने की क्षमता है। इस विधा में उनके कौशल का परीक्षण अब महाराष्ट्र में तीन-पक्षीय गठबंधन सरकार के नेतृत्व से होने जा रहा है।

(लेखक, पत्रकार, स्तंभकार)

नेतृत्व में महिलाओं की भागीदारी को सुरक्षित पंख लगाने शी बॉक्स पोर्टल मजबूत आधार

–एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं–

वैश्विक स्तरपर भारत के विजन 2047 की पूरी दुनिया में गूंज हो रही है जो हर क्षेत्र में विकसित भारत के लिए बनाए गए रोड मैप का एक संयुक्त पत्रक है, जिसका एक महत्वपूर्ण भाग महिलाओं के नेतृत्व को आगे बढ़ना भी है, जिसके लिए यह जरूरी है कि उनके लिए राजनीतिक सामाजिक कार्यपालिका सहित सभी क्षेत्रों में अपना टैलेंट दिखाने के लिए एक सुरक्षित संरक्षित माहौल बनाया जाए, ताकि उनके टैलेंट को पंख लगा सके परंतु ऐसा देखा गया है कि इन क्षेत्रों में महिलाओं का यौन उत्पीड़न होने की शिकायतें सामने आई तो सरकार ने इसको रेखांकित कर कार्य स्थलों पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (शिकायत निषेध और निवारण) अधिनियम 2013 बनाया परंतु उसके क्रियान्वयन में देरी व लीकेजेस को रेखांकित कर 29 अगस्त 2024 को एक कार्यक्रम में शी-बॉक्स पोर्टल लॉन्च किया गया था, जिसमें महिलाओं की शिकायतें दर्ज कर निगरानी करने, व त्वरित कार्रवाई करने का एकीकृत प्लेटफार्म है, जिसपर सभी संबंधितों की नजर होगी, इसलिए पारदर्शिता से कार्रवाई शीघ्र होगी जो 90 दिन निर्धारित हैं। इस विषय पर आज हम चर्चा इसलिए कर रहे हैं क्योंकि भारत में शुरू संसद के शीत सत्र 2024 में दिनांक 4 दिसंबर 2024 को एक प्रश्न के लिखित उत्तर में महिला बाल विकास कल्याण राज्यमंत्री ने उसके उत्तर में सटीक बातें कही, इसलिए आज हम मीडिया में उपलब्ध जानकारी के सहयोग से इस आर्टिकल के माध्यम से चर्चा करेंगे, शी-बॉक्स पोर्टल महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास को सुरक्षित व संरक्षित बनाने व महिला कार्यबल मिशन 2047 में मील का पत्थर साबित होगा। साथियों बात अगर हम शी-बॉक्स पोर्टल को जानने की करें तो, कार्यस्थलों पर महिलाओं की सुरक्षा के लिए सरकार की तरफ से ये महत्वपूर्ण कदम है। यह पोर्टल देश में आंतरिक समितियों और स्थानीय समितियों से संबंधित सूचनाओं के लिए एक स्टोरेज के रूप में काम करेगा, जिसमें गवर्नमेंट और प्राइवेट दोनों सेक्टर होंगे। यह पोर्टल महिलाओं को शिकायत दर्ज करने, उनकी स्थिति पर निगरानी रखने तथा यह सुनिश्चित करने में मदद करेगा कि उनकी शिकायतों का समय पर निपटारा हो, इसके लिए शिकायतों की वास्तविक समय पर निगरानी के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त किया जाएगा, जो यह सुनिश्चित करेगा कि महिला को न्याय मिल सके, . केंद्रीय मंत्री ने कहा, इस पहल से कार्यस्थल से संबंधित यौन उत्पीड़न की शिकायतों का समाधान करने के लिए पहले से अधिक कुशल और सुरक्षित मंच उपलब्धद कराया जा सकेगा, यह कदम देश में महिलाओं के लिए सुरक्षित और अधिक समावेशी कामकाज का वातावरण बनाने की सरकार की प्रतिबद्धता को दिखाता है। कोलकाता के आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के साथ कुकृत्य के बाद ही देश में आक्रोश का माहौल है, लोग इस घटना के बाद वर्क स्पेस पर महिलाओं की सुरक्षा को लेकर सवाल उठा रहे थे, ऐसे में सरकार वर्क स्पेस पर महिलाओं के काम करने और उनकी सुरक्षा को लेकर कई कदम उठा रही है। साथियों बात अगर हम शी-बॉक्स पोर्टल की विधि को जानने की करें तो, (1)विजिट वेबसाइट- सबसे पहले नोटिफिकेशन में दी गई वेबसाइट पर जाएं। (2) रजिस्टर कंप्लेंट- होम पेज पर रेड कलर में रजिस्टर योर कंप्लेंट का ऑप्शन मिलेगा। इस पर टैप करने के बाद आप कंप्लेंट रजिस्टर्ड पेज पर पहुंच जाएंगे। (3)कंप्लेंट रजिस्ट्रेशन पेज पर प्रक्रिया शुरू करने के लिए रजिस्टर कंप्लेंट करें पर टैप करें। (4)यहां दो ऑप्शन होंगे- सेंट्रल गवर्मेंट ऑफिस और स्टेट गवर्मेंट ऑफिस, आपको सेंट्रल गवर्मेंट ऑफिस पर टैप करना है। (5) पर्सनल डिटेल- अब आपके सामने पर्सनल डिटेल फिल करने का ऑप्शन आएगा। इसमें नाम, कॉन्टैक्ट डिटेल और इम्प्लॉयमेंट स्टेट्स, इंसीडेंट डिटेल और एविडेंस जैसी चीजें शामिल हैं। (6) रिव्यू एंड सबमिट- एक बार ये सारी चीजें फिल करने के बाद रिव्यू एंड सबमिट का ऑप्शन आएगा। जिस पर टैप कर दें। अब शी-बॉक्स पोर्टल के माध्यम से महिलाओं की सुरक्षा होगी। सरकारी और निजी संस्थानों में कार्यरत महिला कर्मी कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न सहित अन्य तरह की ज्यादती होने पर इसकी ऑनलाइन शिकायत शी-बॉक्स पोर्टल पर जाकर दर्ज करा सकती हैं। संबंधित विभाग इस पर त्वरित पहल करते हुए संबंधित संस्थान या व्यक्ति पर कानूनी कार्रवाई करेगा। जिला स्तरपर इसका नोडल पदाधिकारी बाल विकास परियोजना पदाधिकारी को बनाया गया है, जो स्थानीय स्तरपर शिकायतों का निवारण एवं आवेदन प्राप्त कर उचित कार्रवाई करेंगे। कोई भी महिला बाल विकास मंत्रालय के वेब पोर्टल पर अपनी शिकायत दर्ज करा सकती है। इस पोर्टल पर शिकायत दर्ज होने के बाद उस शिकायत को सीधे संबंधित नियोक्ता के आईसीसी/एलसीसी को भेज दिया जाएगा। इस पोर्टल के जरिए न केवल मंत्रालय, बल्कि शिकायतकर्ता भी जांच की प्रगति की निगरानी कर सकेंगी। इस पोर्टल के बारे में महिलाओं को अवगत कराने के लिए जिला प्रशासन इसका प्रचार-प्रसार करेगा। साथियों बात अगर हम पोर्टल के उद्देश्यों को जानने की करें तो, भारत अपनी स्वतंत्रता के शताब्दी वर्ष 2047 की ओर बढ़ रहा है, सरकार ने महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास पर महत्वपूर्ण जोर दिया है। समावेशी आर्थिक विकास को आगे बढ़ाने में महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका को पहचानते हुए सरकार ने एक सुरक्षित और संरक्षित वातावरण बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है जो महिलाओं को कार्यबल में सफल होने में सक्षम बनाता है। इस प्रयास की आधारशिला है, कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन उत्पीड़न (रोकथाम, निषेध और निवारण) अधिनियम, 2013, जिसका उद्देश्य महिलाओं को यौन उत्पीड़न से बचाना और उनकी शिकायतों का समाधान करना है। हाल ही में लॉन्च किया गया शी-बॉक्स पोर्टल इस अधिनियम के प्रावधानों को लागू करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह सुनिश्चित करता है कि शिकायतें न केवल दर्ज की जाएं बल्कि सक्रिय रूप से उनकी निगरानी भी की जाए, जिससे कार्यस्थल पर उत्पीड़न से निपटने के लिए एक मजबूत ढांचा उपलब्ध हो।

सांस्कृतिक पहचान को कुचलने की कुचेष्टाएं कब तक?

–ललित गर्ग–

भारत की समृद्ध सांस्कृतिक, धार्मिक एवं आर्थिक विरासत को कुचलने की चेष्टाएं अतीत से लेकर वर्तमान तक होती रही है। बहुत बड़ा सच है कि अगर किसी देश को नष्ट करना है तो उसकी सांस्कृतिक पहचान को खत्म कर दो। देश अपने आप नष्ट हो जाएगा। भारत पर हमला करने वाले विदेशी आक्रांताओं ने यही किया। इस्लामी आक्रांताओं ने न सिर्फ धन-संपदा लूटी बल्कि भारत की सांस्कृतिक और धार्मिक पहचान को खत्म करने के लिए बड़े पैमाने पर मंदिरों और धार्मिक स्थलों को तोड़ कर मस्जिदें बना दीं। भारतीय सभ्यता एवं संस्कृति के शत्रु एवं तथाकथित धर्म-निरपेक्षता की राजनीति करने वाले नेता इस बात को अधिक बेहतर समझते हैं, अतः उन्होंने इतिहास को झुठलाने, धुंधलाने और काल्पनिक बातें गढ़ने एवं फैलाने पर ध्यान केंद्रित किया। हमारे नेताओं-नीतिकारों की नासमझी के कारण ही इसमें वे सफल भी रहे हैं। क्या यह स्थिति बदल रही है? देश में कुछ लोग सही इतिहास को उजागर करने एवं ऐतिहासिक विरासत को धुंधलाने एवं कुचलने की कुचेष्टाओं का परिमार्जन करने के लिये तत्पर हुए है, इसी का परिणाम है कि सैकड़ों वर्षों की गुलामी के बाद आज सनातन संस्कृति का पुनरुद्धार हो रहा है। अयोध्या, काशी, मथुरा के बाद संभल और अजमेर दरगाह जैसे मामलों में साक्ष्यों और दस्तावेजों के आधार पर भारत की सांस्कृतिक पहचान के प्रतीकों को हासिल करने के प्रयास हो रहे हैं। ऐसे प्रयासों के द्वारा अशांति फैलाने का लक्ष्य नहीं है, बल्कि इतिहास बड़ी भूलों को सुधारना एवं वास्तविक तथ्यों को सामने लाना है। लेकिन, इसमें एक बड़ी बाधा है पूजा स्थल अधिनियम, 1991, जो देश में आजादी से पहले से मौजूद धार्मिक स्थलों जुड़े तथ्यों की खोजबीन की भी अनुमति नहीं देता है? क्या इसके चलते देश में आक्रांतवादी सोच एवं देश की विरासत को धुंधलाने की कोशिश पर पर्दा ही पड़ा रहेगा? ऐतिहासिक अन्याय, अत्याचार एवं राष्ट्र-विरोधी सोच एवं सच्चाई तो सामने आनी ही चाहिए। इस देश में उन विघटनकारी एवं संस्कृति-विरोधी लोगों की मर्जी कब तक चलती रहेगी? कब तक बात-बेबात हंगामा होता रहेगा? कब तक सांस्कृतिक पहचान को बेमानी साबित करने के षडयंत्र होते रहेंगे?

इस सच से इंकार नहीं किया जा सकता कि इतिहास से न केवल छेड़छाड़ हुई है बल्कि समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास को निस्तेज भी किया गया है। इसी बात को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने उजागर करते हुए कहा कि हमारे इतिहास के साथ छेड़छाड़ की गई है। अतीत में यह बात प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से लेकर गृहमंत्री अमित शाह भी कह चुके हैं, यह बात पूर्व में भी बार-बार अनेक नेताओं ने कही है, लेकिन इतिहास को सही रूप में पेश करने का काम नहीं हो पा रहा है और वह भी तब, जब सभी इससे परिचित हैं कि सच्चे इतिहास की जानकारी के अभाव में लोगों के बीच नासमझी की खाई चोड़ी ही होती है, झूठे इतिहास को ही लोग सच मानने से उनकी अपनी परम्परा एवं इतिहास के प्रति आस्था की बजाय घृणा बढ़ती है। अपनी इतिहास एवं संस्कृति की विलक्षण एवं विशेषताओं से दूरी बनाकर झूठे इतिहास के कसीदें पढ़ने से राष्ट्र के प्रति गौरव का भाव क्षीण होता है। ऐसी स्थितियों में राष्ट्रीय एकता, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत के गौरवपूर्ण क्षण कैसे सामने आ सकते हैं। झूठे इतिहास के कारण लोग संगठित कैसे हो सकते हैं? उनके स्वर विपरीत ही होते हैं, जिससे एक-दूसरे से जुड़ना तो दूर आपसी द्वेष, नफरत एवं द्वंद्व की स्थितियां ही राष्ट्र पर हावी होती है। सही इतिहास जानने की इस महत्ता से हमारे नीति-निमार्ता अनभिज्ञ रहे हैं। अन्यथा इस विषय पर यहां इतनी दलबंदी न होती। हमें एक असहिष्णु, उन्मादी एवं कट्टरवादी समाज बनने के रास्ते पर ही नहीं, बल्कि भीतर से ज्यादा से ज्यादा विभाजित एवं कमजोर समाज बनने के रास्ते पर धकेला जा रहा है। इस तरह की स्थितियां एवं मुहिमें देश की एकता एवं अखण्डता पर आघात करती है।

भारतीयों ने गणित व खगोल विज्ञान पर प्रामाणिक व आधारभूत खोज की। शून्य का आविष्कार, पाई का शुद्धतम मान, सौरमंडल पर सटीक विवरण आदि का आधार भारत में ही तैयार हुआ। वसुधैव कुटुम्बकम का विचार इसी देश ने किया। अहिंसा यहां की जीवनशैली का सौन्दर्य रहा है, विविधता में एकता को हमने जीकर दिखाया है, लेकिन हमारी उदारता को आक्रांताओं एवं विभाजनकारी ताकतों ने हमारी कमजोरी मान लिया है। यही कारण है कि तात्कालिक एवं अतीत की कुछ नकारात्मक घटनाओं व प्रभावों ने जो धुंध हमारी सांस्कृतिक जीवन-शैली पर आरोपित की है, उसे सावधानी पूर्वक हटाना होगा। आज आवश्यकता है कि हम अतीत की सांस्कृतिक धरोहर को सहेजें और सवारें तथा उसकी मजबूत आधारशिला पर खडे.होकर नए मूल्यों व नई संस्कृति को निर्मित एवं विकसित करें। ऐसा करके ही हम नया भारत-सशक्त भारत निर्मित कर पायेंगे। समृद्ध संस्कृति भारत की एक विरासत है। इसमें धर्म, अध्यात्मवाद, ललित कलाएं, ज्ञान विज्ञान की विविध विधाएं, नीति, दर्शन, विधि, विधान, जीवन प्रणालियां और वे समस्त क्रियाएं और कार्य हैं जो उसे महान बनाती है। समय-समय पर इसका विविध संस्कृतियों के साथ संघर्ष, मिलन, परिवर्तन, परिवर्धन और आदान-प्रदान हुआ है। भारतीयों की अनेक भावनाओं पर शताब्दियों से समय-समय पर आती रहने वाली विविध जातियों ने बहुत पहले से ही अपना न्यूनाधिक प्रभाव डाल रखा था। परंतु इस्लाम के आ जाने पर भारतीय संस्कृति में एक हलचल सी मच गयी, सांस्कृतिक विरासत को ध्वस्त करने के सलक्ष्य प्रयत्न हुए, कला, धार्मिकता, शिल्प के मन्दिरों को ध्वस्त करके मस्जिदों का निर्माण कराया गया। लेकिन इन ऐतिहासिक भूलों को सुधारने का अवकाश तो हमेशा से रहा है।

सर्वोच्च न्यायालय ने संभल मस्जिद मामले में 29 नवंबर 2024 को स्थानीय अदालत की कार्यवाही पर अस्थायी रोक लगा दी। इस मामले में विपक्षी दल विशेषतः कांग्रेस एवं समाजवादी पार्टी उत्तरप्रदेश सरकार को जबरन घसीट रही है, जबकि सर्वोच्च अदालत शांति बनाये रखने के लिये मामले में इलाहाबाद उच्च न्यायालय को सुनवाई करने का निर्देश दिया है। 24 नवंबर को अदालती निर्देश पर हुए सर्वे के दौरान खूनी हिंसा, जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी, उसके बाद सर्वोच्च न्यायालय ने जो निर्णय दिया, उसका मर्म यह है कि मामले में फैसला इस बात पर निर्भर करेगा कि क्या सच है या फिर कौन समुदाय कितना उपद्रव करता है और वह शासन-व्यवस्था के लिए कितनी बड़ी चुनौती बन सकता है। अर्थात चाहे ह्यअन्यायह्ल कितना भी बड़ा हो, अदालत ह्यन्यायह्ल से अधिक ह्यशांति-सद्भावनाह्ल को वरीयता देगी। देरसबेर न्याय होता हुआ देखा भी गया है, अयोध्या में बना श्रीराम मन्दिर इस का उदाहरण है।

आक्रांताओं द्वारा नष्ट किए गए धार्मिक स्थल सिर्फ धार्मिक प्रतीक नहीं हैं, बल्कि वे भारत की सभ्यता एवं संस्कृति की ऊंच रोशनी की मीनारें है। कांग्रेस ने इनके दमन का ही सिलसिला जारी रखा। इस तरह इतिहास का मिथ्याकरण और देश की नई पीढ़ी को उनके पूर्वजों के वास्तविक अनुभवों को जानने से वंचित रखना हर हाल में गलत है, त्रासद है, विडम्बनापूर्ण है। कठोर वास्तविकताएं एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत भारत का यथार्थ है तो अप्रिय प्रवृत्तियां, विभाजनकारी सोच एवं समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का विध्वंस भी बड़ा यथार्थ है। मुगल शासक हो या अंग्रेजी शासक या आजादी के बाद की सरकारें - राजनीतिक उद्देश्यों एवं वोट की राजनीति के चलते मुस्लिम तुष्टीकरण को अपनाया। यही कारण है कि भारत पर अन्याय-अत्याचार करने एवं आक्रांता बन देश को लुटने वालों को हमने हीरो बनाया और उनके नाम पर प्रमुख मार्गों का नामकरण किया, पाठ्य-पुस्तकों में उनको महिमामंडित किया।

लेकिन यहां लंबे समय से इतिहास और वर्तमान के अप्रिय प्रसंगों पर चुप्पी की परंपरा बनी हुई है।

अब यह चुप्पी टूट रही है तो निश्चित ही दूध का दूध एवं पानी का पानी होकर रहेगा। भारत अपनी समृद्ध विरासत को पुनः नये शिखर पर स्थापित कर पायेगा। मस्जिदें हो या अन्य ऐतिहासिक धरोहर -उनके झूठे इतिहास एवं तथ्यों और उनके तमाम प्रचलित निष्कर्ष निराधार हैं, भ्रामक है, बेबुनियाद है, जिन्हें राजनीतिक उद्देश्य से प्रचारित किया गया। जबकि सच्ची बातों और कटु स्मृतियों का दमन हुआ। हालांकि ऐसी स्मृतियां मिटती नहीं, वे तो ज्वालामुखी होकर फटती हैं, सच को सामने लाती है।

गांव में हाथियों के लगातार आवागमन से परेशान हो रहे किसान

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार, ज्वालापुर विधानसभा के कई गांव में हाथियों के लगातार आवागमन से परेशान हो रहे किसानों की समस्याओं को लेकर विधायक रवि बहादुर ने वन विभाग और राधा जी पार्क के अधिकारियों को मौके पर बुलवाकर किसने की फसलों का हो रहे नुकसान को दिखाया ।

बुग्गावाला, बंजारेवाला, शाहीद वाला ग्रंट, बदीवाला गांव में लगातार हाथी किसने की फसलों का नुकसान कर रहे हैं ।

विधायक रवि बहादुर ने वन विभाग के अधिकारियों से कहा कि बुग्गावाला क्षेत्र में जंगल किनारे हुई दीवार के टूटने से लगातार हाथी ग्रामीण क्षेत्र का रख कर रहे हैं और कई बार बड़ी घटनाएं भी हो चुकी हैं लेकिन ग्रामीणों की शिकायत करने पर भी आपने कोई संज्ञान नहीं लिया जिसको लेकर विधायक रवि बहादुर ने वन विभाग के अधिकारियों से अपनी नाराजगी व्यक्ति की और कहा कि जल्द ही इस दीवार को बनाया जाए ताकि हाथी ग्रामीण क्षेत्र का रुख न करें। वन विभाग के अधिकारियों ने विधायक रवि बहादुर का आश्वासन दिया कि जल्द ही दीवार बनकर तैयार हो जाएगी और ग्रामीणों का नुकसान ना हो जिसको लेकर क्षेत्र में जंगल किनारे और भी दीवार बनाई जाएगी।

बीएचईएल हरिद्वार में मनाया गया महापरिनिर्वाण दिवस

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार, भारतीय संविधान के निमार्ता, भारत रत्न डॉ. भीमराव अम्बेडकर की पुण्यतिथि, बीएचईएल हरिद्वार में महापरिनिर्वाण दिवस के रूप में मनायी गई ।इस उपलक्ष्य में बीएचईएल उपनगरी स्थित स्वर्ण जयंती उद्यान में आज एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें बीएचईएल हरिद्वार के महाप्रबंधक एवं प्रमुख (सीएफएफपी) श्री रंजन कुमार ने, बाबा साहब की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर अपनी भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की ।कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए श्री रंजन कुमार ने कहा कि डा. अम्बेडकर ने, देश के हर नागरिक के लिए सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय तथा अवसरों की समानता पर बल दिया ।उन्होंने कहा कि डा. अम्बेडकर ने अपना सारा जीवन समाज के शोषित, पीड़ित और वंचित वर्ग के उत्थान में समर्पित कर दिया । कार्यक्रम में उपस्थित अन्य महाप्रबंधकों, वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियों, यूनियन एवं एसोसिएशन के प्रतिनिधियों तथा एससी/एसटी फेडरेशन के पदाधिकारियों आदि ने भी, बाबा साहब की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर, उनके दिखाए मार्ग पर आगे बढ़ने की प्रतिबद्धता दोहरायी ।

देशी शराब सहित एक आरोपी को धर दबोचा, कब्जे से 54 पाउच माल्टा शराब बरामद

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

माननीय मुख्यमंत्री उत्तराखंड द्वारा ड्रग्स फ्री देवभूमि 2025 के तहत जनपद को नशा मुक्त करने व नशा (अवैध शराब/स्मैक/ चरस/ गांजा आदि) तस्करों के विरुद्ध हरिद्वार पुलिस द्वारा चलाये जा रहे अभियान को सफल बनाने के क्रम में एसएसपी हरिद्वार द्वारा ड्रग्स फ्री देवभूमि के तहत कार्रवाई करने हेतु प्रभारी निरीक्षक कोतवाली मंगलौर को निर्देशित किया गया जिस क्रम में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली मंगलौर द्वारा थाना क्षेत्राअंतर्गत विभिन्न टीमों को इस कार्य में लगाया गया तथा अलग-अलग क्षेत्र में नशा माफिया के विरुद्ध टास्क दिया गया।

जिसके फलस्वरुप दिनाक 5-12-24 को 01आरोपी को चौकी लंढोरा से अवैध कच्ची शराब के साथ पकड़ा गया।

जिनके कब्जे से 54 पैकेट माल्टा मसालेदार शराब बरामदगी की गई है। जिसके विरुध आबकारी अधि0 मे अभियोग पंजीकृत किया ।

नाम पता आरोपी

1- शिवकुमार पुत्र ईलम चंद्र निवासी थिथोला थाना कोत0 मंगलौर हरिद्वार।

बरामद माल

1- 54 पैकेट देशी शराब

पुलिस टीम

हरिद्वार पुलिस ने फिर किया ब्लाइंड मर्डर केस का यादगार खुलासा

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

थाना श्यामपुर क्षेत्रांतर्गत रवासन नदी के किनारे एक अज्ञात व्यक्ति की लाश मिली। शव की स्थिति से स्पष्ट था कि उसकी हत्या की गई है। मौके पर एसपी सिटी, सीओ सिटी, थाना श्यामपुर पुलिस टीम पहुंची एवं फॉरेंसिक टीम द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर जरूरी साक्ष्य एकत्र किए गए। कप्तान प्रमेन्द्र सिंह डोबाल द्वारा एसपी सिटी से वार्ता कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। मौके व आसपास कई लोगों से पूछताछ के बाद भी मृतक की पहचान नहीं हो पाई थी।

कुछ दिन की मेहनत के बाद भी मृतक की शिनाख्त न हो पाना, पुलिस के लिए एक बड़ा चैलेंज बन गया था।

अपने ऑफिसर्स पर कप्तान का भरोसा-

एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल द्वारा अपने मातहत ऑफिसर्स पर पूरा भरोसा जताते हुए थाना श्यामपुर पुलिस व सीआईयू हरिद्वार की संयुक्त टीमें गठित कर प्रकरण के खुलासे के निर्देश दिए। पर्यवेक्षण की जिम्मेदारी सीओ सिटी जूही मनराल के सुपुर्द कर समय-समय पर एसपी सिटी पंकज गैरोला से मामले की जानकारी ली गई।

शव की पहचान बना बड़ा चैलेंज-

गठित टीमों द्वारा आसपास मजदूरो की मौजूदगी और मौके की स्थिति के कारण लेबर के एंगल पर काम करते हुए आसपास रह रहे लगभग 1000 ठेकेदारों/लेबरों का एक एक का भौतिक सत्यापन किया गया जिसके लिए पुलिस टीम द्वारा दिन रात मेहनत की गई और मजदूरों द्वारा बताई गई एक-एक बात को व्यक्तिगत रूप से वेरीफाई किया गया। साथ-साथ छोटी-छोटी कई टीम बनाकर गैर प्रांत उत्तरप्रदेश के बिजनौर, बलिया, नजीबाबाद, बरेली तक के थानों में जाकर भौतिक रूप से मृतक की शिनाख्त के प्रयास किए गए। मौके से उठाए गए डंप डाटा से प्राप्त लगभग 10000 से अधिक मोबाइल नंबरों में सभी को एक-एक कर फिल्टर करते हुए भौतिक रूप से या फोन के माध्यम से जानकारी की गई यहां तक कि उनके द्वारा बताई गई विभिन्न बातों का भी क्रॉस वेरिफिकेशन किया गया यह भी पता किया गया कि इस दौरान कहीं कोई गुमशुदगी तो नहीं है। इस पूरे काम में थका देने वाली दिन रात की मेहनत हुई लेकिन फिर भी मृतक के शिनाख्त नहीं हो पा रही थी। घटनास्थल जंगल का होने के कारण और आसपास लेबर के अलावा अन्य कोई भी आबादी न होने के कारण भी कहीं कुछ पता नहीं चलपा रहा था।

पेडों पर पड़ती रोशनी ने जगाई उम्मीद-

मामले में दिलचस्प मोड तब आया जब घटनास्थल से कुछ दूरी पर स्थित रवासन के कांटे के एक कैमरे के फोकस का छोटा सा एंगल मुख्य हाईवे को कवर करता मिला। देर रात पेड़ों पर पड़ती मद्धिम रोशनी की किरणों के आवाजाही का मैप तैयार कर टीम द्वारा संभावित गाड़ियों का चंडी चौक तक लगभग 20 ` तक पीछा किया गया। इस दौरान सिटी के लगभग 500 से भी ज्यादा कैमरों का गहराई से अवलोकन किया गया तब संभावित संदिग्ध मोटरसाइकिलों की गतिविधियों को देख मुखबिर तंत्र तथा टेक्निकल मदद से उक्त दोनों को कोतवाली नगर क्षेत्र में

स्थित एक होटल तक जाते हुए चिन्हित किया गया। हरिद्वार पुलिस के लिए यह एक बहुत छोटी सी आशा की किरण थी जिसको पुलिस की कई टीमों द्वारा मिलकर डेवलप किया गया।

सामने आयी मृतक की पहचान-

इन सभी प्रयासों के पश्चात आखिरकार मृतक की पहचान अभय शर्मा उर्फ हनी निवासी पश्चिमी दिल्ली के रुप में हुई। अधिक जानकारी के लिए दिल्ली का रुख करने पर पुलिस टीम को जानकारी मिली कि मृतक अय्याश किस्म का मौजी व्यक्ति था और हाल फिलहाल फ्लैट बिकने से काफी पैसों का मालिक भी हो गया था। अय्याश हरकतों के चलते मृतक का अपनी माता या घर वालों से कोई संबंध नहीं रखता था।

गहरी पड़ताल से खुली कत्ल की कहानी-

फिजिकली जानकारी इकट्ठा करने पर ये तथ्य सामने आए कि मृतक अपने परिवार से अलग रह कर अय्याश जिंदगी जी रहा था। जो सट्टा लगाने के साथ साथ दिल्ली क्षेत्र में लड़की सप्लाई करने का काम भी करता था मृतक हनी पिछले कुछ महीनों से आरोपी नीरज शुक्ला व नागेंद्र (दोनों पेशे से ड्राइवर हैं) से खास दोस्ताना रखता था और तीनों अय्याश होने के चलते लड़की बाजी तथा सट्टाबाजी का भी शौक रखते थे। मृतक का तांत्रिक विद्या पर विश्वाश होने पर वह सट्टे में मोटी रकम जीतने के लालच में कई बार तांत्रिक के पास जा चुका था। मृतक पर अय्याशी व सट्टे के कारण इधर उधर से लाखों का कर्जा होने पर उसने नीरज शुक्ला के माध्यम से भी लोगों से लाखों का उधार ले रखा था। मृतक द्वारा नीरज से उधार लिए पैसे न लौटाने पर कर्जदार लगातार नीरज के पास आकर पैसे वापस मांग रहे थे। इसी बीच हाल ही में मृतक ने अपना दिल्ली स्थित फ्लैट बेचा था जिसकी उसे अच्छी रकम (लगभग 30 लाख) मिल गई थी। अपने अय्याश रवैए व सट्टे की लत के चलते मृतक ने फ्लैट बेच कर मिली रकम का काफी कुछ पैसा अय्याशी में उड़ा दिया था।

मृतक द्वारा ऐसे ही पैसे उड़ाने पर नीरज द्वारा बार-बार मृतक को रोका जाता था और अपने एवं जिनसे उधार लिया था उनके पैसे वापस करने को बोला जाता था लेकिन बार-बार मांगने पर भी पैसे ना देने पर नीरज शुक्ला को लग गया था कि उसके लाखों रुपए अब डूबने वाले हैं। इस पर नीरज ने अपने साथ नागेंद्र को लिया और दोनों ने एक प्लानिंग के तहत मृतक हनी के साथ दिन-रात उठना बैठना, साथ में शराब पीना करते हुए चुपके से मृतक के मोबाइल नंबर के पासवर्ड, एटीएम का पासवर्ड, बैंक का अकाउंट नंबर इत्यादि महत्वपूर्ण जानकारी एकत्र कर ली। खुद की उधारी वापस न मिलने व मृतक के खाते में बची लाखों की धनराशि को हड़पने के लिए आरोपियों ने मृतक को रास्ते से हटाने का प्लान बनाया। क्योंकि मृतक सट्टा खेलने का आदि था और तांत्रिक प्रक्रिया को भी मानता था जिस कारण नीरज एक बार मृतक को कोलकाता तांत्रिक के पास लेकर गया था फिर नीरज द्वारा बताया गया कि हरिद्वार में एक बड़ा तांत्रिक है जो बिल्कुल सही सट्टे का नंबर बताता है इस पर मृतक ने नीरज की बात पर विश्वास कर लिया। प्लान के मुताबिक आरोपी नीरज व नागेंद्र ने मृतक को तांत्रिक के पास ले जाने के बहाने हरिद्वार ले आए और सोची समझी साजिश के चलते रात को जब मृतक को पूरा नशा हो गया तब नशे की हालत में दोनों आरोपियों ने मुख्य सड़क से लगभग 200 मीटर अंदर सुनसान इलाके में नदी के बीच में जाने के बाद पीछे से गले में रस्सी लगा हनी का गला घोंटकर हत्या कर दी। इसके बाद आरोपियों ने पहचान मिटाने के लिए मौके पर ही मौजूद पत्थर से मृतक अभय शर्मा उर्फ हनी के चेहरे को बिगाड़ दिया ताकि कोई भी उसको पहचान ना पाए। इसके बाद उक्त दोनों आरोपी मृतक के पैसे, और मोबाइल निकाल मृतक की बाइक को भी साथ लेकर चले गए और मृतक के पैसों से अय्याशी शुरू कर दी।

एसएसपी ने किया खुलासा दो शातिर चोर दबोचे करीब 8 लाख का माल बरामद

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

लक्सर पुलिस के द्वारा दो सातीर चोरों को गिरफ्तार किया गया है उनसे करीब 8 लाख रुपए का संबंधित सामान भी बरामद हुआ है एसएसपी प्रमेन्द्र डोभाल ने बताया 16 अक्टूबर 2024 की रात्रि को रायसी स्थित दुकान से मोबाइल लैपटॉप स्पीकर आदि व दिनांक 25 नवंबर 2024 की रात्रि में सुल्तानपुर स्थित दुकान तोड़कर लाखों के कपड़े व नकलदी चोरी संबंधी प्रकरणों में पीड़ित पक्षों द्वारा दी गई शिकायत पर अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था लगातार हो रही चोरी नकबजनी की घटनाओं का संज्ञान लेते हुए एसएसपी प्रमेन्द्र सिंह डोबाल द्वारा पुलिस क्षेत्र अधिकारी लक्सर व प्रभारी निरीक्षक लक्सर को तत्काल मामलों का खुलासा करने के निर्देश दिए गए थे खुलासे के लिए पुलिस टीम गठित की गई गठित पुलिस टीम के द्वारा क्षेत्र में लगातार सक्रिय रहकर अलग-अलग माध्यमों से जानकारी जुटाई गई सीमावर्ती राज्य उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले में घटित चोरी की घटना की जानकारी कर कड़ी से कड़ी जोड़कर मशक्कत करते हुए पुलिस टीम ने 5 दिसंबर 2024 को लक्सर क्षेत्र से दो संदिग्ध को सुल्तानपुर रायसी व थाना मडावर बिजनौर के अलग-अलग दो घरों में की गई चोरी के माल के साथ दबोच लिया देवबंद सहारनपुर जेल में एक दूसरे के संपर्क में आकर दोनों में अच्छी दोस्ती हो गई थी जेल से छूटने के बाद दोनों ने अपनी निजी जरूरत को पूरा करने के लिए दिन में स्थान बदल बदल कर दिन में दुकानों

मकान की रैंकिंग की गई और फिर रात में सेध लगाकर इन घटनाओं का अंजाम दिया गया पकड़े गए दोनों व्यक्तियों से पूछताछ करने पर उन्होंने अपने नाम जावेद पुत्र हबीब निवासी ग्राम माखियाली थाना मंडी जिला मुजफ्फरनगर उत्तर प्रदेश उम्र 51 वर्ष रवि सैनी पुत्र संजय सैनी निवासी केशव नगर तहसील रोड कोतवाली लक्सर जनपद हरिद्वार उम्र 27 वर्ष बताया जावेद के खिलाफ पहले से संबंधित थानों में 23 मुकदमे दर्ज हैं रवि के खिलाफ भी पांच मुकदमे संबंधित दर्ज हैं उनसे जो सामान बरामद हुआ है उसमें आठ काले नीले बैग कपड़ों से भरे हुए कुल 323 नाग कपड़े कीमत करीब 5 लाख रुपए दो बड़े स्पीकर एक लैपटॉप एक मोबाइल फोन एक बायोमेट्रिक मशीन एक कार स्पीकर एक बड़ा थैला कुल 27 नग महिला सूट पीली धातु की चेन एक सफेद धातु की तगड़ी एक सफेद धातु के बीचवै दो जोड़ी एक जोड़ी पायल सफेद धातु की बताई गई उनको पकड़ने वाली पुलिस टीम में लक्सर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक राजीव रौथाण वरिष्ठ उप निरीक्षक मनोज गैरोला सुल्तानपुर पुलिस चौकी प्रभारी लोकपाल परमार लक्सर पुलिस चौकी प्रभारी नवीन चौहान रायसी पुलिस चौकी प्रभारी कमल कात रतूड़ी हेड कांस्टेबल विनोद कुमार शूरवीर सिंह अजीत तोमर ध्वजवीर सिंह अनूप पोखरियाल अरुण नेगी शामिल रहे पकड़े गए दोनों व्यक्तियों को संबंधित मुकदमे में दाखिल कर पकड़े गए दोनों व्यक्तियों को संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है

मा0 न्यायालय के आदेशानुसार फरार वारंटीयो को धर दबोचा

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

माननीय न्यायालय के आदेश के अनुपालन में तथा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक द्वारा वारंटियों के गिरफ्तारी हेतु चलाये जा रहे अभियान के अन्तर्गत दिनांक 06.12.24 को थाना बहादराबाद हरिद्वार पुलिस द्वारा वारण्टी 1- अनुराग पुत्र सुनील चौहान, 2- मुकुल पुत्र सुरेन्द्र, 3-रवि कुमार पुत्र अशोक निवासीगण अतमलपुर बौंगला थाना बहादराबाद हरिद्वार को थाना क्षेत्र से पकड़ा गया गया।

उक्त वारंटी माननीय न्यायालय मे लगातार गैरहाजिर चल रहे थे ।

नाम पता वारंटी

1- अनुराग पुत्र सुनील चौहान निवासी अतमलपुर बौंगला थाना बहादराबाद हरिद्वार।

2- मुकुल पुत्र सुरेन्द्र निवासी अतमलपुर बौंगला थाना बहादराबाद हरिद्वार।

3-रवि कुमार पुत्र अशोक निवासीगण अतमलपुर बौंगला थाना बहादराबाद हरिद्वार।

पुलिस टीम

1- अ0उ0नि0 राकेश कुमार,

2- कांनि0 जयपाल सिंह

3- कांनि0 शाहआलम

4- हो0गा0 नरेश कुमार

न्यायालय के आदेश पर एवं शांति भंग करने पर पुलिस ने दो को डुबोचा

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

लक्सर पुलिस के द्वारा न्यायालय के आदेश पर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है एवं शांति व्यवस्था भग करने पर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है लक्सर कोतवाली प्रभारी राजीव रौथाण ने बताया एसएसपी हरिद्वार द्वारा माननीय न्यायालय से प्राप्त आदेशिकाओ को शत प्रतिशत तामिल करने के लिए निर्देशित किया गया था जिसमें पुलिस टीम गठित की गई पुलिस टीम के द्वारा न्यायालय से जारी आदेशिकाओं की तामिल के लिए अलग-अलग छापेमारी कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया जिसका नाम देसराज पुत्र सुरेश चंद्र निवासी ग्राम भीक्कमपुर जीतपुर थाना कोतवाली लक्सर हरिद्वार बताया उसको गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में भीक्कमपुर पुलिस चौकी प्रभारी नरेंद्र सिंह कांस्टेबल अमित सिंह संजय पवार शामिल रहे शांति व्यवस्था भंग करने पर सुमित पुत्र विश्वास निवासी अकोदा खुर्द थाना कोतवाली लक्सर को गिरफ्तार किया गया उसको गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उप निरीक्षक दीपक चौधरी हेड कांस्टेबल मनोज मीनान होमगार्ड आजाद शामिल रहे पकड़े गए दोनों व्यक्तियों को संबंधित मुकदमे में दाखिल कर पकड़े गए दोनों व्यक्तियों को संबंधित न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है

एसपी देहात ने पुलिस चौकी धनौरी का किया औचक निरीक्षण, पुलिसकर्मियों को दिए दिशा निर्देश

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

धनौरी। नवनियुक्त एसपी देहात शेखर सुयाल ने पुलिस चौकी धनौरी का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने चौकी धनौरी में थाना प्रभारी कलियर दिलबर सिंह नेगी एवं चौकी प्रभारी धनौरी हेमदत्त भारद्वाज और पुलिसकर्मियों के साथ बैठक कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। बता दें कि एसपी देहात ने थाना प्रभारी कलियर और चौकी प्रभारी धनौरी सहित पुलिस-ाकर्मियों के साथ बैठक की है। जिसमे थाना क्षेत्र में घटित होने वाले अपराधों के संबंध में जानकारी ली है। एसपी देहात ने पुलिसकर्मियों को क्षेत्र में रात्रि के समय गश्त बढ़ाने और सतर्क रहने के निर्देश दिए। इसी के साथ कांवड़ पटरी मार्ग पर सार्वजनिक स्थानो पर खड़े होकर शराब पीने वालों और अवैध नशे के प्रति अभियान चलाने के दीशानिर्देश देते हुए कहा कि भारी वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाने को कहा गया है।

9 दिनों से गायब किशोरी का नहीं लगा पता, परिजनों ने कोतवाली में किया हंगामा, पुलिस ने बताया चौकाने वाला सच

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

रुड़की: हरिद्वार जिले की मंगलौर कोतवाली क्षेत्र से 9 दिनों पहले लापता हुई नाबालिग लड़की का अभीतक कोई सुराग नहीं लगा पाया है. इतने दिनों के बाद भी नाबालिग लड़की की बरामदी नहीं होने पर गुरुवार छे दिसंबर को परिजन के साथ सैकड़ों ग्रामीणों मंगलौर कोतवाली पहुंचे और जमकर हंगामा किया.जानकारी के मुताबिक रुड़की के पास मंगलौर कोतवाली क्षेत्र की नाबालिग लड़की बीती 26 नवंबर की सुबह अपनी बड़ी बहन के साथ स्कूल के लिए घर से निकली थी, लेकिन बीच रास्ते में लड़की ने अपनी बड़ी बहन से पेट में दर्द की शिकायत की और वापस घर जाने की बात कही. लेकिन उसके बाद लड़की घर नहीं लौटी.किशोरी के परिजनों ने उसकी काफी तलाश की, लेकिन उसका कुछ पता नहीं चल सका. इसके बाद परिजनों ने मंगलौर कोतवाली पहुंचकर पुलिस से मदद मांगी. पुलिस ने भी तहरीर के आधार पर नाबालिग लड़की की गुमशुदगी दर्ज कर उसकी तलाश शुरू की गई, लेकिन परिजनों और ग्रामीणों का गुस्सा इस बात को लेकर है कि एक हफ्ते बाद भी पुलिस उनकी बेटी का पता नहीं लगा पाई है. वहीं, आज गुरुवार दोपहर को किशोरी के परिजन, ग्रामीणों के साथ मिलकर कोतवाली पहुंचे और पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए जमकर प्रदर्शन किया.

हर्बल फैक्ट्री की आड़ में बन रही थी नशीली दवा, पुलिस ने किया भंडाफोड

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हर्बल फैक्ट्री की आड़ में नशीली दवाइयों का निर्माण करने वाली अवैध फैक्ट्री का दून पुलिस ने भंडाफोड किया है. पुलिस ने फैक्ट्री के मालिक सहित तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया है. पुलिस ने मौके से भारी मात्रा मे नशीली दवा और सिरप बरामद किए हैं.

हर्बल फैक्ट्री की आड़ में बन रही थी नशीली दवा

एसएसपी को सहसपुर क्षेत्र में ग्रीन हर्बल फैक्ट्री की आड़ मे अवैध नशीली दवाई और सिरप बनाने की गोपनीय सूचना मिली थी. जिस पर पुलिस की टीम ने बीते गुरुवार को एफडीए विजिलेंस की टीम के साथ लांघा रोड स्थित काया साईकिल गोदाम के पास ग्रीन हर्बल नाम की फैक्ट्री की बिल्डिंग में छापा मारा. छापेमारी के दौरान टीम ने फैक्ट्री से भारी मात्रा मे अवैध रुप से तैयार की जा रही नशीली दवाइयां और सिरप बरामद किए हैं.

पुलिस ने किया फैक्ट्री के मालिक समेत तीन को

अरेस्ट

मौके से पुलिस ने फैक्ट्री के मालिक संजय कुमार (39) पुत्र मूल निवासी सहारनपुर हाल निवासी सहसपुर और शिवकुमार (36) हाल निवासी सेलाकुई और रहमान (38) हाल निवासी प्रेमनगर को गिरफ्तार कर लिया हैं. आरोपियों से तीन अन्य लोगों के नशीली दवा के निर्माण में शामिल होने की जानकारी मिली है. जिनकी तलाश में पुलिस ने दबिश देना शुरू कर दिया है.

आरोपी को थी सप्लाई और डिमांड की थी पूरी जानकारी

फैक्ट्री के मालिक संजय ने बताया कि वह पूर्व में सेलाकुई क्षेत्र में एक फैक्ट्री में कार्य करता था, जिसके मालिक ने उक्त फैक्ट्री में अवैध रूप से नशीली दवाइयां बनाई जाती थी, जिस कारण आरोपी को उक्त दवाइयों की सप्लाई और डिमांड की पूरी जानकारी थी. तीन साल पहले उस फैक्ट्री के मालिक उस्मान को पंजाब पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया लिया था. जिसके बाद संजय ने 2023 में ग्रीन हर्बल कंपनी के नाम से फूड लाइसेंस लिया था. जहां वह फूड लाइसेन्स की आड़ में नशीली दवाइयां बनाने का काम करता था.

दवा में होता था प्रतिबंधित केमिकल और साल्ट का इस्तेमाल

पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि आरोपी शातिर किस्म का अपराधी है, जो डिमांड के हिसाब से दवाइयों का निर्माण कर तत्काल उन्हें आगे सप्लाई कर देता था. पकड़े जाने के डर से कभी भी अपने पास किसी प्रकार की नशीली दवाइयों का स्टॉक नहीं रखता था. आरोपी द्वारा नशे की सामग्री बनाने में प्रतिबंधित केमिकल और साल्ट का प्रयोग किया जा रहा था.

चार दिनों से टांडा भागमल गांव के आसपास गुलदार नजर आने से ग्रामीण दहशत में

संवाददाता,.नाथीराम कश्यप

लक्सर,उत्तराखंड, पिछले चार दिनों से टांडा भागमल गांव के आसपास गुलदार नजर आने से ग्रामीण दहशत में जी रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि पिछले चार दिनों से वन अधिकारियों से लगातार गुलदार को पकड़वाए जाने की मांग की जा रही है। लेकिन वन अधिकारियों ने अभी तक गुलदार को पकड़वाए जाने की कोई व्यवस्था नहीं की है।

खेत पर काम कर रहे टांडा भागमल गांव निवासी एक किसान ने चार दिन पहले पास के खेत में घूम रहे गुलदार को देखा। गुलदार को देखते ही किसान के होश उड़ गए। किसान दबे पांव पीछे लोट गया और मामले की जानकारी अन्य ग्रामीणों को दी। सतपाल, सुंदरलाल, सुशील कश्यप, प्रमोद राठौड़, मगन सिंह, राहुल कश्यप, शिवकुमार कश्यप, मनोज कुमार, अमरपाल आदि ग्रामीणों का कहना है कि टांडाभामल गांव के पास खेत में

गुलदार होने की सूचना पर करीब आधा दर्जन ग्रामीण मौके पर पहुंचे। इस दौरान गुलदार रास्ते के पास खेत में घूम रहा था। किसानों ने दूर से गुलदार को देखा और वापस मुड़ गए। इस दौरान एक ग्रामीण ने मोबाइल से खेत में घूम रहे गुलदार की वीडियो बना ली, और सोशल मीडिया पर डाल दी। ग्रामीणों का कहना है कि खेत में गुलदार नजर आने से ग्रामीण घबराए हुए हैं। ग्रामीणों को डर है कि कहीं गुलदार किसी ग्रामीण पर हमला न कर दे। इसलिए गुलदार के डर से ग्रामीण खेतों में काम करने के लिए अकेले नहीं जा रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि टांडा भागमल गांव के निकट गुलदार को देखते ही ग्रामीणों ने वन अधिकारियों से गांव के आसपास घूम रहे गुलदार को पकड़वाए जाने की मांग की थी। लेकिन चार दिन बीत जाने के बावजूद भी अभी तक वन विभाग के अधिकारियों ने गुलदार को पकड़वाए जाने की कोई प्रक्रिया शुरू नहीं की है। वन दरोगा अमित कुमार का कहना है कि टांडा भागमल गांव में गुलदार होने का मामला संज्ञान में है। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर गए वन कर्मियों को गुलदार के पद चिन्ह मिले हैं। मामले की जानकारी उच्च अधिकारी को दे दी गई है।

नगर पंचायत पिरान कलियर क्षेत्र में कीचड़ भरे रास्ते से गुजरने को मजबूर स्कूली बच्चे व ग्रामीण

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

पिरान कलियर। नगर पंचायत पिरान कलियर के वार्ड नंबर 9 में बस्ती का मुख्य मार्ग काफी समय से क्षतिग्रस्त होने के कारण मार्ग पर लगभग एक फीट गंदा पानी जमा रहता है जिससे वहां से गुजरने वाले स्कूली बच्चों व ग्रामीणों को भारी परेशानीयों का सामना करना पड़ता है। जबकि इस रास्ते के बराबर में राजकीय प्राथमिक विद्यालय भी है। बस्ती वासियों की शिकायत के बाद नगर पंचायत द्वारा मार्ग का निर्माण नहीं कराया गया। वहीं अमीर अहमद ने बताया कि वार्ड नंबर 9 में काफी समय से बस्ती का मुख्य मार्ग पूरी तरह से क्षतिग्रस्त है।

और मार्ग पर हर समय गंदा पानी भरा रहता है और कीचड़ जमा रहता है। इसके चलते स्कूली बच्चों व बस्ती वासियों को

भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। और इतना ही नहीं इस मार्ग के बराबर में राजकीय प्राथमिक विद्यालय है जिसमें छोटे छोटे बच्चे पढ़ने के लिए आते हैं और बच्चों के सिर पर डेंगू, मलेरिया जैसी बिमारियों का खतरा मंडराता रहता है। वहीं नगर पंचायत ईओ ने जानकारी देते हुए बताया कि बस्ती का जो मुख्य मार्ग है उसका स्टीमेट बनवा दिया गया है और जैसे ही स्वीकृत मिलती है उसके बाद जल्द ही मार्ग का निर्माण कराया जायेगा।

लापरवाह डॉक्टर की लापरवाही इमरजेंसी से भी डॉक्टर्स नदारद

भगवानपुर ,स्वास्थ्य सेवाओं के लिए सरकार बड़े से बड़े दावे करती है और सरकार की कोशिशें भी है कि बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं आमजन तक पहुंचे लेकिन जमीनी स्तर पर कुछ लापरवाह अधिकारी लापरवाह डॉक्टर्स की लापरवाही सरकार के तमाम दावों को खोखला साबित करती नजर आती है ,,, आज हमारी टीम पड़ताल करने हरिद्वार जिले के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भगवानपुर पहुंची थी समय था लगभग सुबह 11 बजे जब वहां पहुंचे तो मरीज तो मौजूद थे लेकिन डॉक्टर्स वहां पर एक भी नहीं था सी एम ओ हरिद्वार राजेश सिंह से जब इस बारे में बातचीत की गई तो उन्होंने पहले तो कहा कि डॉक्टर मौजूद है लेकिन जब हमारे संवादाता ने कहा कि आपको वीडियो कॉल करके दिखा सकते है कि कोई डॉक्टर मौजूद नहीं है तो उन्होंने गोलमोल ही जवाब दिया उसके बाद वहां मौजूद मरीजों ने बताया कि वो काफी देर से आए हुए है लेकिन डॉक्टर नहीं है ,,,

टेस्ट ड्राइविंग के बहाने थार गाड़ी लेकर फरार हुआ युवक, जगह-जगह खोज रही पुलिस

रिपोर्टर शमशाद अहमद

रुड़की: हरिद्वार के रुड़की में कार बाजार के दुकान स्वामी को झांसा देकर एक युवक उसकी थार कार लेकर फरार हो गया. दर-असल, थार की टेस्ट ड्राइव के बहाने से युवक दुकानदार को चकमा देकर फरार हुआ. पीड़ित ने इस मामले में पुलिस से गुहार लगाई है. पुलिस अब गाड़ी लेकर फरार हुए युवक की तलाश में जुटी हुई है.

दुकान में गाड़ी खरीदने के बहाने पहुंचा युवकः जानकारी के

मुताबिक रुड़की सिविल लाइन कोतवाली क्षेत्र के सत्ती मोहल्ला निवासी जावेद की हरिद्वार-दिल्ली रोड पर स्थित मोहम्मदपुर गांव के पास पुरानी कार खरीदने और बेचने की दुकान है. बीते दिन दिन उनकी दुकान पर सुमित नामक एक युवक पुरानी गाड़ी खरीदने के लिए आया था, वहीं उक्त युवक ने दुकान के बाहर खड़ी थार गाड़ी की कीमत पूछी तो दुकानदार ने थार की कीमत 14 लाख 50 हजार रुपए बताई.

थार गाड़ी लेकर हुआ फरारः थार की कीमत पूछने के बाद युवक ने थार की टेस्ट ड्राइव की बात कही, जिसके बाद दुकानदार ने थार में बैटरी लगवाई और पांच सौ रुपए का तेल डलवाते हुए उसे टेस्ट ड्राइव के लिए गाड़ी दे दी, इसके बाद युवक गाड़ी लेकर फरार हो गया. दुकानदार ने उसकी काफी तलाश की लेकिन वह हाथ नहीं आया, जिसके बाद दुकानदार पुलिस के पास पहुंचा और पुलिस से युवक की तलाश के लिए गुहार लगाई. पुलिस अब आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है. सिविल लाइन कोतवाली प्रभारी निरीक्षक नरेंद्र बिष्ट ने बताया कि पीड़ित की तहरीर के आधार पर मामले की जांच पड़ताल की जा रही है.

फैक्ट्री का संचालक बेहद शातिर किस्म का अपराधी

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून सहसपुर। मुख्यमंत्री के ड्रग्स फ्री देवभूमि 2025 के विजन को साकार करने के लिए पुलिस कप्तान ने खुद मोर्चा संभाल रखा है और उन्होंने अपना खुद का इतना बडा नेटवर्क तैयार किया हुआ है कि कोई भी अपराधी व नशा माफिया उनकी रडार से नहीं बच पा रहा है। पुलिस कप्तान ने एक गोपनीय सूचना के आधार पर सहसपुर थाना प्रभारी को टास्क दिया था कि उनके इलाके मे लांघा रोड पर दवाई की एक फैक्ट्री में नशीली दवाईयां बनाने का शातिराना खेल बडे नाटकीय ढंग से चल रहा है और फैक्ट्री का संचालक जो कि बेहद शातिर किस्म का अपराधी है वह फैक्ट्री डिमांड के हिसाब से नशीली दवाईयां बनाता है। सनसनीखेज बात यह है कि पुलिस ने जब नशे की फैक्ट्री को अपने कब्जे मे लिया तो फैक्ट्री संचालक ने पुलिस व ड्रग विभाग की टीम के सामने यह खुलासा किया कि वह पकडे जाने के डर से अपनी फैक्ट्री मे कभी भी नशीली दवाईयों का स्टॉक नहीं रखता था और जैसे ही नशे की दवाईयां बनती थी उसके चंद घंटो मे ही उन नशीली दवाईयों को फैक्ट्री से बाहर कर दिया जाता था।

पुलिस कप्तान अजय सिंह ने बताया कि सहसपुर क्षेत्र में स्थित ग्रीन हर्बल फैक्ट्री की आड़ मे अवैध नशीली दवाईयो एवं सिरप बनाये जाने की गोपनीय सूचना प्राप्त हुई थी। इस पर उन्होंने सहसपुर थाना प्रभारी मुकेश त्यागी तथा एएनटीएफ देहरादून की संयुक्त टीम गठित कर तत्काल प्रभावी कार्यवाही करने का आदेश दिया था। उन्होंने बताया कि पुलिस टीम द्वारा औषधि/एफडीए विजिलेन्स देहरादून को साथ मे लेकर बीती रात लांघा रोड स्थित काया साईकिल गोदाम के पास ग्रीन हर्बल नाम की फैक्ट्री की बिल्डिंग में छापेमारी की कार्यवाही शुरू की। उन्होंने बताया कि छापेमारी के दौरान टीम द्वारा फैक्ट्री से भारी मात्रा मे अवैध रुप से तैयार की जा रही नशीली दवाइयां तथा सिरप बरामद की गई। मौके से पुलिस टीम द्वारा फैक्ट्री के मालिक संजय कुमार सहित दो अन्य अभियुक्तो शिवकुमार तथा रहमान को गिरफ्तार किया गया, जिनसे पूछताछ के उनके द्वारा दो अन्य अभियुक्तों ऋषभ जैन व कन्हैया लाल के भी उनके साथ अवैध नशीली दवाइयों के निर्माण में शामिल होने की जानकारी मिली, जिनकी गिरफ्तारी के लिए टीमें लगाई गई हैं।

पुलिस कप्तान अजय सिंह ने बताया कि पूछताछ में अभियुक्त ने खुलासा किया कि वर्ष 2023 में ग्रीन हर्बल कंपनी के नाम से फूड लाइसेंस लिया गया था, जहाँ वह फूड लाइसेन्स की आड़ में नशीली दवाइयां बनाने का काम करता था। कप्तान ने बताया कि अभियुक्त बेहद शातिर किस्म का अपराधी है, जो डिमांड के हिसाब से उक्त दवाइयों का निर्माण कर तत्काल उन्हें आगे सप्लाई कर देता था तथा पकड़े जाने के डर से कभी भी अपने पास किसी प्रकार की नशीली दवाइयों का स्टॉक नहीं रखता था। अभियुक्त द्वारा नशे की सामग्री बनाने में प्रतिबंधित केमिकल और साल्ट का प्रयोग किया जा रहा था।

इस कार्यवाही में मूल रूप से सहारनपुर निवासी संजय कुमार, सेलाकुई निवासी शिव कुमार व उम्मेदपुर निवासी रहमान को गिरफ्तार किया है जबकि सेलाकुई निवासी कन्हैया लाल व ऋषभ जैन को पकडने के लिए पुलिस टीमें लगी हुई हैं।

सीएम के नशामुक्त विजन को चुनौती दे रहा था माफिया

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून। मुख्यमंत्री ने 2025 तक उत्तराखण्ड को नशामुक्त करने का संकल्प लिया हुआ है और इस संकल्प को वह धरातल पर उतारने के लिए सख्त रूख अपनाये हुये हैं और उसी के चलते सभी जनपदों में नशा माफियाओं के खिलाफ बडा ऑपरेशन चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री का साफ अल्टीमेटम है कि राज्य के अन्दर अगर किसी ने भी नशा बेचने का दुसाहस किया तो उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही अमल मे लाई जायेगी। राजधानी के पछवादून में नशे का नेटवर्क काफी घातक बना हुआ है और इस नेटवर्क को भेदने के लिए पुलिस कप्तान ने अपनी बडी मुहिम चला रखी है। सहसपुर इलाके मे ग्रीन हर्बल कम्पनी ने आयुर्वेदिक दवाईयां बनाने की आड में वहां नशे के कैप्सूल बनाने का कारखाना बना डाला और वह मुख्यमंत्री के नशामुक्त विजन को चुनौती देने से भी पीछे नहीं हटा और वह फैक्ट्री में नशे के कैप्सूल बनाकर उन्हें इतनी चालाकी से सप्लाई कर देता था कि उनकी भनक किसी को नहीं लगती थी लेकिन एक बडी गोपनीय सूचना पर पुलिस ने एक सप्ताह फैक्ट्री की रेकी की और उसके बाद वहां जब छापेमारी की गई तो पुलिस और ड्रग विभाग की टीम यह देखकर दंग रह गई कि फैक्ट्री में नशे के कैप्सूल बनाने का काला कारोबार चल रहा है। पकडा गया फैक्ट्री मालिक नशे के धंधे का बडा खिलाडी है और वह यह सारा खेल एक नशे की फैक्ट्री में काम करते हुए सीख गया था और उसके बाद उसने अपना नशे का अलग साम्राज्य बना लिया था। राजधानी के अन्दर नशे के कैप्सूल बनाने की फैक्ट्री से यह सवाल उठ रहे हैं कि अगर कोई नशा सौदागर फैक्ट्री के अन्दर नशे के कैप्सूल बना रहा है तो उसके सारे राज को बेनकाब कर उसका सारा नेटवर्क तार-तार कर दिया जाये।

मुख्यमंत्री की सख्त चेतावनी के बावजूद जिस तरह राज्य के कुछ जनपदों में दवाई बनाने की फैक्ट्रियों में नशे का काला कारोबार होता हुआ दिखाई दिया है वह काफी चिंताजनक ही माना गया है? मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दहाड लगा रखी है कि नशा माफियाओं के नेटवर्क को नेस्तनाबूत करना उनका पहला विजन है और इसी विजन को वह धरातल पर उतारने के लिए आगे बढ रहे हैं। मुख्यमंत्री की सख्त शैली से ही नशा माफियाओं को लम्बे समय से सलाखों के पीछे पहुंचाने का ऑपरेशन चलाया जा रहा है लेकिन हैरानी वाली बात है कि राजधानी के सहसपुर इलाके मे आयुर्वेदिक दवाईयां बनाने वाली एक फैक्ट्री में नशे के कैप्सूल बनाने का जो काला सच बाहर आया है उससे यह सवाल खडे हो रहे हैं कि फैक्ट्री में नशे का काला कारोबार करने वाले नशा माफिया को मुख्यमंत्री की दहाड़ क्या कभी सुनाई नहीं पडी जिसमें वह नशे के खिलाफ हमेशा फायर दिखते रहे हैं? मुख्यमंत्री को नशे के कैप्सूल बनाने वाला नशा माफिया अपनी फैक्ट्री में सिस्टम को कैसे खुली चुनौती दे रहा था यह अब एक बडा सवाल खडा हो चुका है? सवाल यह भी तैर रहा है कि दवाई की फैक्ट्रियों मे कोई प्रतिबंधित दवाईयां या नशे के कैप्सूल तो नहीं बन रहे इस पर ड्रग विभाग की नजर होनी चाहिए लेकिन सहसपुर में आयुर्वेदिक दवाईयां बनाने वाली फैक्ट्री के अन्दर नशे के कैप्सूल बनते रहे और ड्रग विभाग को इसकी भनक क्यों नहीं लग पाई यह उसकी कार्यशैली पर प्रश्नचिन्ह लगा रहा है? दवाई की फैक्ट्री में नशे के कैप्सूल बनाने का काला सच सामने आने पर सहसपुर थाना प्रभारी मुकेश त्यागी, उनकी एनएफटी टीम और ड्रग विभाग की टीम पर यह जिम्मेदारी आ गई है कि वह इस बात का रहस्य उजागर करे कि दवाई की फैक्ट्री में कब से नशे के कैप्सूल बनाने का गोरखधंधा चल रहा था।

सीएम के नशामुक्त विजन को चुनौती दे रहा था माफिया

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून। मुख्यमंत्री ने 2025 तक उत्तराखण्ड को नशामुक्त करने का संकल्प लिया हुआ है और इस संकल्प को वह धरातल पर उतारने के लिए सख्त रूख अपनाये हुये हैं और उसी के चलते सभी जनपदों में नशा माफियाओं के खिलाफ बडा ऑपरेशन चलाया जा रहा है। मुख्यमंत्री का साफ अल्टीमेटम है कि राज्य के अन्दर अगर किसी ने भी नशा बेचने का दुसाहस किया तो उसके खिलाफ सख्त कार्यवाही अमल मे लाई जायेगी। राजधानी के पछवादून में नशे का नेटवर्क काफी घातक बना हुआ है और इस नेटवर्क को भेदने के लिए पुलिस कप्तान ने अपनी बडी मुहिम चला रखी है। सहसपुर इलाके मे ग्रीन हर्बल कम्पनी ने आयुर्वेदिक दवाईयां बनाने की आड में वहां नशे के कैप्सूल बनाने का कारखाना बना डाला और वह मुख्यमंत्री के नशामुक्त विजन को चुनौती देने से भी पीछे नहीं हटा और वह फैक्ट्री में नशे के कैप्सूल बनाकर उन्हें इतनी चालाकी से सप्लाई कर देता था कि उनकी भनक किसी को नहीं लगती थी लेकिन एक बडी गोपनीय सूचना पर पुलिस ने एक सप्ताह फैक्ट्री की रेकी की और उसके बाद वहां जब छापेमारी की गई तो पुलिस और ड्रग विभाग की टीम यह देखकर दंग रह गई कि फैक्ट्री में नशे के कैप्सूल बनाने का काला कारोबार चल रहा है। पकडा गया फैक्ट्री मालिक नशे के धंधे का बडा खिलाडी है और वह यह सारा खेल एक नशे की फैक्ट्री में काम करते हुए सीख गया था और उसके बाद उसने अपना नशे का अलग साम्राज्य बना लिया था। राजधानी के अन्दर नशे के कैप्सूल बनाने की फैक्ट्री से यह सवाल उठ रहे हैं कि अगर कोई नशा सौदागर फैक्ट्री के अन्दर नशे के कैप्सूल बना रहा है तो उसके सारे राज को बेनकाब कर उसका सारा नेटवर्क तार-तार कर दिया जाये।

मुख्यमंत्री की सख्त चेतावनी के बावजूद जिस तरह राज्य के कुछ जनपदों में दवाई बनाने की फैक्ट्रियों में नशे का काला कारोबार होता हुआ दिखाई दिया है वह काफी चिंताजनक ही माना गया है? मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने दहाड लगा रखी है कि नशा माफियाओं के नेटवर्क को नेस्तनाबूत करना उनका पहला विजन है और इसी विजन को वह धरातल पर उतारने के लिए आगे बढ रहे हैं। मुख्यमंत्री की सख्त शैली से ही नशा माफियाओं को लम्बे समय से सलाखों के पीछे पहुंचाने का ऑपरेशन चलाया जा रहा है लेकिन हैरानी वाली बात है कि राजधानी के सहसपुर इलाके मे आयुर्वेदिक दवाईयां बनाने वाली एक फैक्ट्री में नशे के कैप्सूल बनाने का जो काला सच बाहर आया है उससे यह सवाल खडे हो रहे हैं कि फैक्ट्री में नशे का काला कारोबार करने वाले नशा माफिया को मुख्यमंत्री की दहाड़ क्या कभी सुनाई नहीं पडी जिसमें वह नशे के खिलाफ हमेशा फायर दिखते रहे हैं? मुख्यमंत्री को नशे के कैप्सूल बनाने वाला नशा माफिया अपनी फैक्ट्री में सिस्टम को कैसे खुली चुनौती दे रहा था यह अब एक बडा सवाल खडा हो चुका है? सवाल यह भी तैर रहा है कि दवाई की फैक्ट्रियों मे कोई प्रतिबंधित दवाईयां या नशे के कैप्सूल तो नहीं बन रहे इस पर ड्रग विभाग की नजर होनी चाहिए लेकिन सहसपुर में आयुर्वेदिक दवाईयां बनाने वाली फैक्ट्री के अन्दर नशे के कैप्सूल बनते रहे और ड्रग विभाग को इसकी भनक क्यों नहीं लग पाई यह उसकी कार्यशैली पर प्रश्नचिन्ह लगा रहा है? दवाई की फैक्ट्री में नशे के कैप्सूल बनाने का काला सच सामने आने पर सहसपुर थाना प्रभारी मुकेश त्यागी, उनकी एनएफटी टीम और ड्रग विभाग की टीम पर यह जिम्मेदारी आ गई है कि वह इस बात का रहस्य उजागर करे कि दवाई की फैक्ट्री में कब से नशे के कैप्सूल बनाने का गोरखधंधा चल रहा था।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सत्ता संभालने के बाद से ही राज्य के अन्दर नशा माफियाओं पर प्रहार करने का खुला अल्टीमेटम दिया था और वह इस बात को लेकर चिंतित थे कि राज्य के युवाओं में जिस तरह से नशे की लत लग रही है वह राज्य के लिए शुभ संकेत नहीं हैं। मुख्यमंत्री 2025 तक उत्तराखण्ड को नशामुक्त करने के लिए सभी जनपदों के पुलिस कप्तानों को आदेश दिये हुये हैं। पहाडों में भी नशे का काला कारोबार सर उठाये हुये है और जिस तरह वहां आये दिन नशा तस्कर पुलिस के हत्थे चढ़ रहे हैं उससे यह सवाल खडे हो रहे हैं कि आखिरकार नशा तस्करों का कितना बडा साम्राज्य राज्य के अन्दर स्थापित हो रखा है कि उनका नेटवर्क भेदने में पुलिस के छक्के छूट रहे हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का विजन है कि राज्य के युवाओं को नशे से आजादी दिलाकर उन्हें एक नई उडान पर लाया जाये जिससे कि वह अपने परिवार के रक्षक बनकर उनका पालन कर सकें।

हवाई सेवाओं में मोदी के सपनों को पंख लगाते धामी

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून। मुख्यमंत्री ने देश के प्रधानमंत्री उस विजन को एक नई उडान देनी शुरू की है जिसमें उन्होंने कहा था कि देश का आम आदमी भी हवाई सफर कर सकेगा। प्रधानमंत्री ने संकल्प लिया था कि अब देश के अन्दर चप्पल पहनने वाला एक आम इंसान भी सस्ती हवाई सेवा मे उडान भरेगा। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री के विजन को अपने कार्यकाल में एक नई दिशा दी है और राज्य के पर्यटन और तीर्थाटन को बढाने के लिए उन्होंने हवाई सेवाओं का विकास करते हुए राज्य में कुछ वर्षों मे ही आठ स्थानों पर हैलीपोर्ट बनाने का जो कीर्तिमान स्थापित किया है उससे राज्यवासियों को उम्मीद है कि वह अब हैली सेवाओं को लग रहे पंख से उत्तराखण्ड का तीर्थाटन और पर्यटन एक नई उडान पर उडने के लिए तैयार है। वहीं मुख्यमंत्री का संकल्प है कि सौ से अधिक स्थानों पर मौजूद हैलीपेड के जरिए यातायात का मजबूत नेटवर्क तैयार किया जायेगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सपना है कि देश का आम आदमी भी हवाई सफर कर सके। इसके लिए उत्तराखंड में उड़ान योजना के साथ ही मुख्यमंत्री उड खटोला योजना के जरिए, हवाई सेवाओं का विकास किया जा

रहा है। इसका लाभ तीर्थाटन और पयर्टन गतिविधियां बढ ` के रूप में भी मिलेगा। उन्होंने कहा कि भौगोलिक रूप से चुनौतीपूर्ण राज्य में दूरस्थ क्षेत्रों तक पहुंच आसान बनाने के लिए सरकार राज्य में हवाई सेवाओं के लिए मजबूत बुनियादी सेवाएं जुटा रही है। इसी क्रम में बीते दो साल में राज्य में आठ स्थानों पर हैलीपोर्ट बनकर तैयार हो चुके हैं। जबकि छह अन्य स्थानों पर हेलीपोर्ट का निर्माण प्रगति पर है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का कहना है कि उत्तराखंड नागरिक उड्डयन विकास प्राधिकरण (यूकाडा) बीते दो साल में सहस्त्रधारा, श्रीनगर, गौचर, चिन्यालीसौड़, हल्द्वानी, अल्मोड़ा, पिथौरागढ़ और मुनस्यारी में हैलीपोर्ट तैयार कर चुका है, जो अब यात्रियों को अपनी नियमित सेवाएं दे रहे हैं। इसके बाद यूकाडा त्रिजुगीनारायण, जोशीमठ, मसूरी, रामनगर, बागेश्वर, हरिद्वार में हैलीपोर्ट पर काम प्रारंभ कर चुका है। इन सभी जगह अगले एक साल में काम पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है।

यूकाडा के अपर मुख्य कार्यकारी अधिकारी दयानंद सरस्वती के मुताबिक इस–के साथ ही राज्य में अब 100 से अधिक हैलीपैड बनकर तैयार हो चुके हैं जो किसी भी यात्री सेवा या आपातकालीन स्थिति में ऑपरेशन के लिए उपलब्ध हैं। इस तरह राज्य में अब दूर दराज तक एयर कनेक्टिविटी के लिए बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हो चुकी हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि राज्य सरकार पंतनगर और जौलीग्रांट एयरपोर्ट का विस्तार कर रही है। इसके लिए जमीन अधिगृहण की कार्यवाई की जा रही है। पंतनगर एयरपोर्ट का विकास ग्रीन फील्ड एयरपोर्ट की तर्ज पर जबकि जौलीग्रांट का विकास इंटरनेशनल मानकों के अनुसार किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने साफ किया कि हैलीपोर्ट पर एक साथ कई हैलीकॉप्टर की पार्किंग, मेंटीनेंस (हैंगर) सुविधा के साथ ही यात्रियों के लिए विश्राम करने, कैंटीन, शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध होती हैं। हैलीपोर्ट का निर्माण एयरपोर्ट की तर्ज पर किया जाता है।

01 जनवरी, 2024 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले मतदाताओं के नाम सम्मिलित किये जाने के निर्देश

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार, अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व एवं जिला निर्वाचक अधिकारी दीपेन्द्र सिंह नेगी ने अवगत कराया कि राज्य निर्वाचन आयोग, उत्तराखण्ड के पत्र संख्या- 1450 दिनांक 04 दिसम्बर 2024 के द्वारा नागर निकाय सामान्य निर्वाचन-2024 हेतु निर्वाचन आयोग की पूर्व अधिसूचना संख्या-679,680 दिनांक 26 अक्टूबर, 2023 एवं अधिसूचना संख्या-357 दिनांक 08 जून 2024 के द्वारा नागर निकायों की निर्वाचक नामावलियां 01 जनवरी, 2024 को 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले मतदाताओं के नाम सम्मिलित किये जाने के निर्देश दिये गये जिसके अनुसार

मतदाता सूची तैयार की गयी है चूंकि वर्तमान में नागर निकाय सामान्य निर्वाचन में मतदान की तिथि 2025 में सम्भावित होने के कारण 01 जनबरी 2025 में 18 वर्ष की आयु पूर्ण करने वाले मतदाताओं के नाम सम्मिलित किये जाये के निर्देश राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा दिये गये हैं के क्रम में जनपद हरिद्वार के समस्त 14 निकायों के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्र में निवासरत मतदाताओं जिनकी आयु 01 जनबरी 2025 को 18 वर्ष पूर्ण हो रही है अपने नाम मतदाता सूची में सर्मिलित कर सकते है नाम समिलित किये जाने निर्धारित प्रपत्र- 1- क, संशोधन के लिये प्रपत्र-1-ख विलोपन हेतु प्रपत्र-1 ग, तथा प्रपत्र- 1- घ में भर कर निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/उप जिलाधिकारी एवं सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी / तहसीलदार एवं सहायक नगर आयुक्त हरिद्वार / रूडकी / समस्त अधिशासी अधिकारी नोडल / समन्वयक अधिकारी के कार्यालय में या नगर निगम के स्तर पर नियुक्त किये गये कर्मचारियों से प्राप्त किया जा सकता है। जिनका निस्तारण निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी / सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के द्वारा किया जायेगा। यह कार्य 15 दिसम्बर,2024 तक विशेष अभियान के माध्यम से चलाया जा रहा है उक्त के अतिरिक्त मतदादाता का नाम परिवंधन / संशोधन / विलोपन्न / किये जाने हेतु नामांकन की अन्तिम तिथ तक मतदाता के लिये अनुमन्य है।

अतः जनपद हरिद्वार के नागर निकायों के प्रादेशिक निर्वाचन क्षेत्रों के समस्त मतदाताओं जिनकी आयु 01 नवरी 2025 को 18 वर्ष पूर्ण हो रही है अपने नाम मतदाता सूची में समिलित कर सकते है. अधिक जानकारी प्राप्त करने हेतु सम्बंधित निकाय के उप जिलाधिकारी / निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी/तहसीलदार / सहायक निर्वाचक की जा सकती है।

रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं सहायक नगर आयुक्त / अधिशासी अधिकारियों / नोडल / समन्वयक अधिकारी से प्राप्त की जा सकती है।

जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने जल जीवन मिशन के तहत पूर्ण हो चुकी योजनाओं के सत्यापन के लिए अभियान शुरू किया

जिलाधिकारी ने जल जीवन मिशन के तहत निमार्णाधीन परियोजनाओं को अविलंब पूरा करने के निर्देश दिए

उत्तरकाशी में जल जीवन मिशन के तहत वन भूमि की स्वीकृति के लंबित प्रकरणों का निस्तारण शीघ्र किया जाएगा

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

उत्तरकाशी, जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने जिले में जल जीवन मिशन के तहत पूर्ण हो चुकी योजनाओं के सत्यापन के लिए शुरू किए गए अभियान को सही व समयबद्ध ढंग से संपादित करने के साथ ही निमार्णाधीन परियोजनाओं को अविलंब पूरा करने और वन भूमि की स्वीकृति के लंबित प्रकरणों को शीघ्र निस्तारित कराने के निर्देश दिए हैं। जिलाधिकारी ने कहा कि इन सब कामों की प्रगति की हर सप्ताह समीक्षा की जाएगी। जिलाधिकारी के निर्देश पर जिले में जल जीवन मिशन के तहत पूर्ण हो चुकी योजनाओं के सत्यापन के लिए अभियान शुरू किया गया है। जिसमें राजस्व एवं ग्राम्य विकास विभाग के कार्मिकों की टीम को मौके पर जाकर सत्यापन की जिम्मेदारी दी गई है। जिलाधिकारी डॉ. मेहरबान सिंह बिष्ट ने आज जिला मुख्यालय पर आयोजित एक बैठक में पेयजल योजनाओं के सत्यापन के लिए शुरू किए गए अभियान की प्रगति की जानकारी लेते हुए कहा कि सत्यापन टीम द्वारा ह्यहर घर जलह्य का सत्यापन कर तय प्रारूप पर इसकी विस्तृत रिपोर्ट जिओटैग्ड फोटोग्राफ्स सहित संबंधित तहसीलदार एवं उप जिलाधिकारियों को उपलब्ध कराई जाय। उप जिलाधिकारी और तहसीलदार इस सत्यापन प्रक्रिया में सक्रिय भूमिका निभाकर क्रॉस चैकिंग करने के साथ ही खुद भी कुछ जगहों पर जाकर सत्यापन करें। बैठक में जल जीवन मिशन के कार्यों की प्रगति की समीक्षा करते हुए जिलाधिकारी ने लंबित कार्य समुचित गुणवत्ता के साथ तय समयसीमा के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने निमार्णाधीन पंपिंग पेयजल योजनाओं की प्रगति की विस्तार से समीक्षा कर बड़ी योजनाओं के निर्माण कार्य हेतु श्रमिकों एवं अन्य आवश्यक संसाधनों की तैनाती बढाने के निर्देश देते हुए कहा कि अधीक्षण अभियंता इन कामों की प्रगति पर नियमित रूप से निगरानी रखें। जिलाधिकारी ने कहा कि सत्यापन के दौरान पाई जाने वाली कमियों को संबंधित कार्यदायी संस्था द्वारा अविलंब दूर करने की व्यवस्था की जाय। जिलाधिकारी ने कहा कि यह काम पूरी जिम्मेदारी और जवाबदेही के साथ सही तरीके से संपादित किया जाना जरूरी है। जिलाधिकारी ने जल जीवन मिशन के तहत निमार्णाधीन पेयजल योजनाओं के लिए वन भूमि की स्वीकृति से संबंधित प्रकरणों के निस्तारण की समीक्षा करते हुए कहा कि लंबित मामलों को एक सप्ताह के भीतर पोर्टल पर ऑनलाईन अपलोड करना सुनिश्चित किया जाय।

बेइज्जती का बदला लेने के लिए की गई लूट की झूठी रिपोर्ट दर्ज, पुलिस ने सिखाया सबक

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

सहसपुर क्षेत्र अंतर्गत गैस डिलिवरी वाहन के चालक से लूट की झूठी सूचना देना पड़ा भारी। जानकारी हो की बीती 30 नवंबर को वादी नीरज कुमार पुत्र अमर सिंह निवासी ग्राम नंबरपुर जामुनखाता पोस्ट जस्सोवाला थाना सहसपुर देहरादून द्वारा थाना सहसपुर पर एक लिखित प्रार्थना पत्र दिया कि वह गैस सिलिंडर डिलीवरी का काम करता है तथा उससे कुछ अज्ञात लोगों द्वारा रास्ता रोककर गाली गलौज मारपीट करते हुए उससे 25000/- रू0 लूट लिये तथा उन्हें जान से मारने की धमकी दी गई।

घटना की प्रारंभिक विवेचना में उक्त तथ्यों में संधिक्तता प्रतीत होने पर एसएसपी देहरादून द्वारा घटना के सभी पहलुओं की गहनता से जांच करने के निर्देश दिए गए, जिस पर पुलिस टीम द्वारा घटना के सभी पहलुओं की गहनता से जांच करते हुए प्रकाश में आए व्यक्तियों 01-कपिल ठाकुर पुत्र राजेंद्र ठाकुर निवासी चंद्रमणी चोयला थाना पटेल नगर देहरादून (उम्र 18 वर्ष) 02-अंशु ठाकुर पुत्र राजेंद्र ठाकुर निवासी

उपरोक्त (उम्र 19 वर्ष) 03-मुकेश कुमार पुत्र राजकुमार निवासी छोटा भारूवाला ऑस्ला लाइन थाना क्लेमेंटटाउन देहरादून (उम्र 18 वर्ष) 04-रंजन कुमार पुत्र लखविंदर राम निवासी क्ले टाउन छोटा भारुवाला (उम्र 18 वर्ष) 05-सौरभ थापा पुत्र संजय थापा निवासी चंद्रमणी चोयला थाना पटेल नगर देहरादून (उम्र 18 वर्ष) 06-नूर आफताब पुत्र उस्मान अहमद निवासी सी-24 क्लेमटाउन टर्नर रोड पठान मोहल्ला मूल पता ग्राम कैलाशपुर थाना गागलहेड़ी सहारनपुर उत्तर प्रदेश को थाने लाकर पूछताछ की गई तो प्रकाश में आया कि पूर्व मे अभियुक्तगण कपिल व अंशु के पिता के साथ वादी नीरज कुमार द्वारा गैस सिलेण्डर की सप्लाई के क्षेत्र को लेकर मारपीट की थी, जिस कारण कपिल व अंशु द्वारा अपने पिताजी की बेइज्जती का बदला लेने के लिए अपने दोस्तो के साथ मिलकर वादी के साथ मारपीट की गई थी, जिसके चलते वादी द्वारा उन्हें सबक सिखाने के लिये घटना को बढा चढाकर लूट की झूठी सूचना थाने में दर्ज कराई गई। साथ ही विवेचना के दौरान यह तथ्य भी प्रकाश मे आये कि वादी ने जिस धनराशि को अभियुक्तगणो द्वारा लूटना बताया गया था वह धनराशि वादी द्वारा पूर्व में ही गैस एजेन्सी कार्यालय मे जमा करा दी गई थी। पुलिस की विवेचना तथा प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर वादी के साथ किसी भी प्रकार की लूट की घटना का होना नहीं पाया गया। वादी द्वारा झूठी एफआईआर दर्ज करवाने के सम्बन्ध मे वादी के विरूद्व कानूनी कार्यवाही की जा रही है।

सर्वदलीय श्रद्धांजलि सभा में राज्य आंदोलनकारियों को दी गई श्रद्धांजलि

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

देहरादून, देहरादून में राज्य आन्दोलनकारी शहीद स्मार्क पर चिन्हित राज्य आन्दोलनकारी संयुक्त समिति द्वारा सर्वदलीय श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। इस सभा की अध्यक्षता धीरेन्द्र प्रताप ने की और केंद्रीय अध्यक्ष डॉ. विजेन्द्र पोखरियाल के नेतृत्व में इसे संपन्न किया गया। सभा में पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, वन मंत्री सुबोध उनियाल, भाजपा विधायक किशोर उपाध्याय, कांग्रेस विधायक विक्रम सिंह नेगी, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करण माहरा समेत कई राजनीतिक दलों के नेता और सैकड़ों राज्य आंदोलनकारी शामिल हुए। इस सभा में वक्ताओं ने स्वर्गीय त्रिवेंद्र सिंह पंवार, बी.डी. रतूड़ी और विद्यादत्त रतूड़ी को श्रद्धांजलि दी और उनके योगदान को याद किया। धीरेन्द्र प्रताप ने राज्य में सड़क दुर्घटनाओं की बढ़ती संख्या पर चिंता व्यक्त की और इसके लिए एक जांच आयोग बनाने की मांग की। हरीश रावत ने राज्य आंदोलनकारियों के सपनों के अनुरूप राज्य के विकास के लिए समन्वित प्रयासों की अपील की। मंत्री सुबोध उनियाल ने आश्वासन दिया कि राज्य आंदोलनकारियों की स्मृति को

संरक्षित रखने के लिए विभिन्न विभागों में उनके नाम पर संस्थानों का नामकरण किया जाएगा। विधायक किशोर उपाध्याय और विक्रम सिंह नेगी ने भी आंदोलनकारियों के योगदान को सराहा और उनकी असामयिक मृत्यु को राज्य के लिए बड़ी क्षति बताया। इस सभा में राज्य आंदोलनकारी अंबुज शर्मा ने भी राज्य आंदोलनकारियों की स्थिति पर चर्चा की और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए मुख्यमंत्री से मिलने की बात कही। सभा का संचालन संयुक्त समिति के केंद्रीय महासचिव नवीन नैथानी और आंदोलनकारी मंच के नेता पूरन सिंह लिंगवाल ने किया। सभा के अंत में, दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई और समिति के केंद्रीय अध्यक्ष डॉ. विजेन्द्र पोखरियाल ने धन्यवाद ज्ञापन किया। उन्होंने मूल निवास और भू कानून के मुद्दों पर संघर्ष जारी रखने की आवश्यकता पर बल दिया और परिसीमन के सवालों को लेकर मिलकर लड़ाई लड़ने की अपील की।

ऑपरेशन स्माइल के तहत पुलिस ने स्कूली बच्चों को किया जागरुक

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

उत्तरकाशी: प्रदेश भर में चलाई जा रही उत्तराखंड पुलिस की पहल ऑपरेशन स्माइल के तहत गुमशुदा हुए बच्चो को उनके परिजनों से मिलवाया जा रहा है।

जिस क्रम में पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी के दिशा-निर्देशन में कल ऑपरेशन स्माइल की टीम द्वारा धौन्तरी क्षेत्रांतर्गत रातलधार में मानव तस्करी से सम्बन्धित बॉर्डर चैकिंग की कार्यवाही की गई। इसके अतिरिक्त टीम द्वारा शेरवुड पब्लिक चिल्ड्रन स्कूल धौन्तरी में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित कर छात्र/छात्राओं को मानव तस्करी, बाल श्रम, बाल विवाह, बंधुआ मजदूरी, साइबर अपराध, नशे के दुष्प्रभाव के बारे मे भलि-भांति जानकारी देकर जागरुक किया गया व सभी बच्चो को पुलिस हेल्प नम्बर 112, साइबर हेल्प नम्बर 1930, चाइल्ड लाइन नम्बर 1098, की उपयोगिता के सम्बन्ध में भी अवगत कराया गया।

अम्बेडकर जन विकास समिति ने घनसाली मे भारत रत्न बाबा साहेब डॉ भीम राव आंबेडकर को किया नमन

घनसाली/टि बाबा साहेब डॉ भीमराव अंबेडकर के परिनिर्वाण दिवस के अवसर पर अम्बेडकर जन विकास समिति घनसाली के तत्वाधान में मुख्यालय घनसाली भिलंगना में श्री शौकिन आर्य की अध्यक्षता में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि सभा में मुख्यालय घनसाली, भिलंगना के प्रांगण में उपस्थित महानुभावों के द्वारा बाबा साहेब के प्रतिमा पर श्रद्धा के सुमन अर्पित कर विनम्र श्रद्धांजलि दी गई। आज इस अवसर पर बाबा साहेब डॉ भीम राव अंबेडकर जी मूर्ति के प्रांगण में सफाई अभियान, विचार गोष्ठी तथा ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता कार्यक्रम का आयोजन किया गया तथा बाबा साहेब डॉ भीमराव अम्बेडकर के बताए रास्ते पर चलने का आह्वान किया गया। अंबेडकर जन विकास समिति के अध्यक्ष श्री शौकिन आर्य ने अपने संबोधन में कहा ₹बाबा साहब ने जीवन पर्यन्त दलितों, शोषितों और वंचितों के उद्धार के लिए काम किया।₹ ब्लॉक भिलंगना प्रधान संगठन के अध्यक्ष श्री दिनेश भजनियाल ने कहा कि बाबा साहेब का विजन था कि सभी वर्ग के लोगों को समाज में सशक्त किया जा सके। अंबेडकर जन विकास समिति के सचिव श्री बॉबी श्रीयाल ने संचालन करते हुए कहा कि परिनिर्वाण दिवस पर एक ऑनलाइन डॉ भीम राव अंबेडकर

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता दिनांक 06 दिसंबर 2024 से 07 दिसंबर 2024 तक आयोजित है।

प्रतिभागियों को समिति की ओर से डिजिटल प्रशस्ति प्रमाण पत्र से सम्मानित किया जाएगा। समिति बाबा साहेब की विचार धारा को शैक्षणिक गतिविधियों के माध्यम से प्रचार प्रसार किया जायेगा। समिति के मुख्य सलाहकार डॉ आर बी सिंह जी ने कहा कि बाबा साहेब ने सर्व समाज के लिए काम किया है और सभी वर्गों के विकास के लिए ही बाबा साहेब ने भारतीय संविधान का निर्माण भी किया। राजकीय प्राथमिक शिक्षक संघ भिलंगना के अध्यक्ष श्री महावीर धनियाल जी ने बाबा साहब के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि हम सभी लोगों को बाबा साहब के जीवन संघर्षों से सबक लेकर आगे बढ़ने का संकल्प लेना चाहिए। ऑनलाइन डॉ भीम राव अंबेडकर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने वाले छात्र-छात्राओं को प्रधान संगठन अध्यक्ष दिनेश भजनियाल जी के द्वारा सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में उपस्थित समिति के पदाधिकारीगण मुख्य सलाहकार डॉ आर बी सिंह, अध्यक्ष श्री शौकीन आर्य, सचिव श्री बोबी श्रीयाल, कोषाध्यक्ष श्री दीपक शाह, संरक्षक श्री प्रेम लाल त्रिकोटिया सहित प्रधान संघठन भिलंगना के अध्यक्ष श्री दिनेश भजनियाल, प्राथमिक शिक्षक संघ भिलंगना के अध्यक्ष श्री महावीर धनियाल, श्री विजय जोशी उपवन क्षेत्राधिकारी चमियाला घनसाली रेंज, श्री शिवदेव सिंह प्रांतीय सह सचिव अनु0 जाति0 जन जाति शिक्षक एसोसिएशन उत्तराखण्ड, श्री बिशम्बर कुमार अध्यक्ष पर्यावरण मित्र संगठन घनसाली, श्री अंजनी दुबे छक्का, श्री विनोद गुसाईं छक्का, श्री विजेंद्र सिंह सामाजिक कार्यकर्ता, पत्रकार बंधु, छात्र छात्राएं तथा घनसाली के गणमान्य महानुभाव उपस्थित थे ।

हेयरकट करवाना है तुम्हें, पर समझ नहीं आ रहा कि कौन-सा करवाएं। घर पर कोई बताने वाला भी नहीं है। हम है न! हम बताते हैं कि इस साल कौन-सा हेयरकट हिट रहेगा?

हेयरकट हिट जलवा फिट

मम्मा की पसंद का हेयरकट बहुत करवा लिया। कैटरीना, करीना और प्रियंका चोपड़ा जैसा हेयरकट करवाना है तुम्हें, पर मम्मा है कि समझती नहीं हैं। उन्हें लगता है कि तुम पढ़ाई में कम और फैशन में ज्यादा ध्यान देने लगी हो। अब ये बात उन्हें कौन समझाए कि हेयरकट करवाने से तुम कितनी स्मार्ट दिखोगी। सब तारीफ करेंगे तुम्हारी और ये सब मम्मा को अच्छा लगेगा ही। जल्दी से मम्मा को मनाओ कि तुम अपना हेयरकट करवाना चाहती हो, ताकि सब उनसे तुम्हारी तारीफ कर सकें। लेकिन, 2010 के ट्रेंड को ध्यान में रखकर ही हेयरकट करवाना।

एक्स्ट्रा शॉर्ट ब्लॉन्ड: तुम्हारे बाल पतले और हल्के हैं, तो तुम पर ये हेयरकट सूट करेगा, क्योंकि घने बालों पर ही थोड़े लंबे हेयरकट अच्छे लगते हैं, लेकिन इस तरह का हेयरकट हार्ट शेप या ओवल शेप वाले चेहरे पर ही अच्छा लगता है। ये हेयरकट आसानी से कैरी हो जाते हैं। इन्हें आप रोज शैंपू कर सकते हैं। अब मौसम बदल रहा है। एकाध महीने में गर्मियां भी आ जाएंगी। उसके बाद तो मन करेगा कि रोज बाल धोएं। तुम्हारे बालों की क्वालिटी कुछ ऐसी ही है, तो फटाफट अपना हेयरकट करवा डालो।

बॉब कट : प्रियंका चोपड़ा तो तुम्हें जरूर पसंद होगी। उसका फिगर और हेयरकट है ही बड़ा कमाल का। प्रियंका ने प्यार इंपॉसिबल के लिए जो हेयरकट करवाया है, वो यही तो है। छोटे-छोटे बाल कानों तक। अगर तुम्हारा फिगर भी कुछ ऐसा ही है, तो यकीनन तुम पर ये हेयरकट सूट करेगा। कर्ली और वेवी बालों पर भी बॉब कट सूट करता है। इस हेयरकट की सबसे अच्छी बात यह है कि सब तरह के फेसकट पर सूट करता है।

बैंग्स: बैंग्स सुनने में बड़ा अटपटा लगता है, पर है वही पुराना साधना कट जैसा। कुछ-कुछ वैसा ही दिखता है। आगे की तरफ गिरे हुए बाल। कैटरीना कैफ आजकल बैंग्स हेयरकट में दिखती है। पता है, इस हेयरकट में तुम बार्बी डॉल जैसी दिखोगी। लेकिन किसी ऐरू-गेरू पॉर्लर से ये हेयरकट मत करवाना। किसी ढंग के पार्लर में जाकर ही हेयरकट करवाना। उन्हें पता रहता है कि बाल कैसे काटने हैं। थोड़ा खर्च होगा पर तुम्हारे दोस्त कम से कम तुम्हारी हंसी नहीं उड़ाएंगे।

पिक्सी: शॉर्ट हेयरस्टाइल में पिक्सी सबसे ट्रेंडी हेयरकट है, लेकिन ये पतले चेहरे पर ही अच्छा लगते हैं। इसे मैंटेन करना भी आसान है। पिक्सी में चॉपी और शैगी दो ऑप्शन हैं। पिक्सी हेयरकट पीछे से छोटे और आगे से थोड़े गिरे हुए होते हैं। ये हेयरकट सबसे ज्यादा ट्रेंडी और मॉडर्न लुक देता है। तुम्हारे बाल अगर बढ़ते नहीं हैं, तो आंख मूंदकर ये हेयरकट करवा लो। इसी बहाने थोड़ी स्टाइलिश दिखोगी।

बन हेयरस्टाइल: बन बनाने के लिए टाइम चाहिए होता है। दीपिका पादुकोण अक्सर साड़ी में इसी हेयर स्टाइल के साथ दिख चुकी है। बन थोड़े लंबे बालों में ही बन पाता है। बाल कम से कम कंधों तक तो हों, वरना बन बनाने में असुविधा होती है। अगर तुम हेयरकट नहीं करवाना चाहती और फैमिली की शादी में तुम्हें स्टाइलिश भी दिखना है, तो इसी हेयरस्टाइल में वहां जाना।

सेडू हेयरस्टाइल: सेडू यानी सिडक्टिव हेयरकट। थोड़े लंबे और चमकदार बालों में ही सेडू हेयरकट बनता है। सेडू हेयरस्टाइल में हर तरह के कर्ली और वेवी बालों पर सूट करते हैं। तुम्हारे बाल लंबे, चमकदार और स्ट्रेट हैं, तो तुम इस हेयरस्टाइल में स्मार्ट दिखोगी। फ्रिंज हेयरकट तुम अपने चौड़े माथे से परेशान हो और कुछ करवाना चाहती हो, ताकि तुम्हारा माथा छिप सके। फिर हम तुम्हें यह हेयरकट रखने की सलाह देंगे, क्योंकि इससे तुम्हारा चौड़ा माथा छुप जाएगा। हॉलीवुड अभिनेत्री कैट मॉस यही हेयरकट रखती हैं।

घर संभालने की कला

दोस्तों घर का हिसाब-किताब करना हो या रिश्तेदारी निभाना, घरेलू मोर्चा संभालने की जिम्मेदारी तो महिलाओं पर ही रहती है। अक्सर पुरुषों को इन मामलों में फिसड्डी ही समझा जाता है, लेकिन कुछ समय पहले हुए एक शोध के मुताबिक कहानी कुछ और ही है। कैलिफोर्निया में हुए इस शोध का कहना है कि अगर पुरुषों को मौका दिया जाए तो वे एक अच्छे होम मेकर साबित हो सकते हैं। तकरीबन 350 महिलाओं और पुरुषों पर किए गए इस अध्ययन के दौरान यह पाया गया कि अगर एक बार उन्हें घर संभालने की जिम्मेदारी दे दी जाए तो वे उसे काफी अच्छे तरीके से निभाना पंसद करते हैं।

इस रिसर्च के मुख्य शोधकर्ता जेड विडसन आंकड़ों को आधार बनाकर बताते हैं कि करीब 71 फीसदी पुरुष अपनी तनख्वाह के मुताबिक ही खर्च करते हैं, जबकि 53 प्रतिशत महिलाएं क्षमता से ज्यादा। लगभग 73 प्रतिशत पुरुष अपने आमदनी के हिसाब से शेयर बाजार, म्यूचुअल फंड्स, जीवन बीमा व अन्य बचत योजनाओं आदि पर निवेश करने पर प्राथमिकता देते हैं, जबकि केवल 4 फीसदी महिलाएं ही निवेश के बारे में गहरी जानकारी रखती हैं। अब आप कहेंगे कि केवल बचत करने से क्या, उन्हें खाना बनाना भी तो आना चाहिए, लेकिन हम आपको बताते चलें कि अमूमन पुरुष 'मुझे तो खाना बनाना आता ही नहीं' कहकर काम से बचकर निकल जाते हैं। लेकिन अगर एक बार पुरुष पाक कला सीख जाएं तो वह उसमें भी एक्सपर्ट हो जाते हैं। यकीन नहीं आया न, जरा आस-पास नजर दौड़ाइए, आपको सबसे बेहतरीन शेफ पुरुष ही मिलेंगे।

प्रारंभ में जब महिलाएं गर्वभती होती थी तब उनका एक ही काम था, अपना व अपने बच्चे का ख्याल रखना और उनका करियर का वही खत्म हो जाना, पर अब महिलाओं ने ऐसा तरीका खोज निकाला है जिससे वे अपना व करियर दोनो को संभाल सकती है।

समझे अपने आपको

कामकाजी महिलाओं को दिन में ऑफिस और रात को घर का काम ये दोनो के मध्य अपना भी ध्यान रखना काफी मुश्किल भरा होता है। आम तौर पर महिलाओं को कुछ ऐसे तकलीफें से गुजरती है जो एक गर्वभती महिला ही समझ सकती है, तो ऐसे मे वे स्वंय अपना ख्याल रखें।

सही समय पर सही काम

कामकाजी गर्वभती महिलाओं को अपने कामो का शेड्यूल बनना चाहिऐ ताकि उनके सारे काम सही समय पर हो सके। घर व ऑफिस का टाइम दोनो को ऐसा संतुलन को बनाए रखना चाहिएं की जिससे किसी भी काम को देरी न हो।

न लें टेंशन

प्रेग्नेंसी के दौरान महिलाओं को अपने आपको कूल रखना होता है, इससे डिलिवरी होते समय किसी प्रकार की कोई समस्या नहीं आती, इसके साथ आपको योगा, मसाज, वॉक आदि को अपनाते रहना चाहिए ताकि आपका आने वाला बच्चा स्वस्थ हो।

ऐसा भी करें

- हेल्दी फूड समय-समय पर लेते रहे।
- हमेशा खुश रहने की कोशिश करती रहे।
- समय-समय पर चेकअप कराते रहना चाहिए।
- एक्सपर्ट की सलाह लें।
- आराम दिलाने वाले तरीकों को अपनाएं

हर महिला को सबसे ज्यादा खुशी तब होती है जब वो मां बनती है, पर कामकाजी महिलाओं के लिए ये खुशी कुछ हद तक मायने रखती है क्यों कि उन्हे इसके लिए अपना करियर को छोड़ना पड़ सकता है।

दिख रही आगे निकलने की चाहत?

परंपरागत माहौल में पली-बढ़ी स्त्री अपने दर्शन में स्पष्ट होती है कि उसका जीवन सिर्फ पर-सेवा और सबकी आंखों को भली लगने के लिए हुआ है। छोटी बच्चियां घर-घर, रसोई-रसोई, पार्लर-पार्लर खेलकर इसी सूत्र को अपनी जिंदगी का हिस्सा बना लेने की ट्रेनिंग लेते देखी जा सकती हैं। ठीक उसी समय जब उसकी उम्र के लड़के गन या पिस्तौल से मर्दानगी के पाठ पढ़ रहे होते हैं या कारों की रेस या बेमतलब की कूद-फांद, लड़ाई-झगड़े के खेल, खेल रहे होते हैं। इसे देखकर क्या कोई कह सकता है कि यही है गहरे संतुलित समाज की नींव? इस पर हमारा जवाब होगा, बिल्कुल नहीं।

आपने कॉलेज की बच्चियों को भी कभी कभी अपने बुजुर्गों से डांट खाते देखा होगा। कारण है कि ज्यादातर निम्न या मध्य वर्गीय परिवारों से आई हुई ये छात्राएं अपने लिए बेहद असुविधाजनक पहनावे को चुनने में पीछे नहीं हटती। गर्मी व उमस में सिंथेटिक कपड़े, बेहद ऊंची हील के सैंडल बार-बार फिसलते दुपट्टे में जड़ी तरह-तरह की लटकनें आदी। रास्तों में बाजारों में काम की जगहों में चमकीले तंग कपड़ों में फंसी, पल्ला और उसकी जगह-जगह उलझती लटकनें संभालती रंगी-पुती स्त्रियां, अपने आप संभलकर चल पाने में असमर्थ पति की बांह का सहारा लिए कभी-कभी लुढ़कने को होती स्त्रियां। अजीब-अजीब प्लेटफार्म वाले सैंडलों की हीक को मेट्रो और उसके प्लेटफार्म की दरार से निकाल कर हड़बड़ाती स्त्रियां। भले ही आज यह सभी की मजबूरी बन गया हो, लेकिन इतना तो साफ है कि समय बदल गया है और कल जो हाथ चूड़ियां पहनते थे वे अब लेपटॉप संथाले हुए हैं। मतलब साफ है कि अब दिख रही है आगे निकलने की चाहत!

हैंडबैग महिलाओं के लुक को न केवल विशेष बनाता है, बल्कि व्यक्तित्व को उभारता भी है। मौजूदा दौर में हैंडबैग महिलाओं का आवश्यक साथी बन चुका है। हैंडबैग व पर्स का रंग व आकार यदि जूतों, कद काठी व वस्त्रों से मेल खाता हुआ हो तो बात कुछ खास हो जाती है।

पर्सनैलिटी के अनुसार हो हैंडबैग

आम तौर पर सफेद, काल, मैरून, भूरे, सिल्वर व सुनहरी हैंडबैग लगभग सभी पोषकों से मैच कर जाते हैं। अवसर के मुताबिक औपचारिक समारोह में जाते समय या खरीदारी करते समय और नौकरी पर जाते समय आवश्यकतानुसार चीजें भरकर अलग-अलग हैंडबैग का प्रयोग करना चाहिए।

- कॉलेज व ऑफिस जाने वाली युवतियों को खुशनुमा आधुनिक डिजाइन के जूट, कपड़े, रेक्सिन या चमड़े के कमर तक लटकने वाले हैंडबैग काम में लाने चाहिए।
- अध्यापन व प्रशासनिक दायित्वों से जुड़ी महिलाओं को सिम्पल डिजाइन का एकरंगा हैंडबैग व पर्स लेना चाहिए।
- दुबली, पतली छोटे कद की महिलाओं को चौड़े स्टैप वाले बड़े आकार के चपटे हैंडबैग का प्रयोग नहीं करना चाहिए। इन पर हल्के-फुल्के स्टेप वाले गोलाकार या पंचकोणनुमा शेप के हैंडबैग खूब फबते हैं।
- नाटी व मोटी महिलाओं को भी बहुत बड़े या छोटे हैंडबैग का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। इन्हें कमर से लटकने वाले हैंडबैग की बजाय हैण्डिल वाले मध्यम आकार के हैंडबैग काम में लेने चाहिए।
- लम्बे कद की महिलाओं पर थोड़े बड़े लटकने वाले हैंडबैग फबते हैं। शादी व स्वागत समारोह जैसे मांगलिक अवसरों पर पोशाक से मेल खाते मखमल या शनील के पर्स बहुत अच्छे लगते हैं।

इन बातों का रखें ध्यान

चमचमाते साफ-सुथरे हैंडबैग जहां सुरुचिपूर्ण व्यक्तित्व के परिचायक हैं, वहीं बेडौल शेप के उखड़ी जिप वाले, बेकार सामान से भरे हैंडबैग फूहड़ व्यक्तित्व की चुगली खाते नजर आते हैं।

- इससे बचने हेतु अनावश्यक चीजें हैंडबैग में न रखें। इससे जिप व तनियों, स्ट्रेपसद्ध पर अनावश्यक बोझ पड़ता है और वे जल्दी खराब हो जाते हैं। फालतू चीजें भरी रहने से चीजें भी तुरंत मिल नहीं पाती।
- बरसात के दिनों में चमड़े व हैंडबैग व पर्स का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए, क्योंकि पानी की नमी से ये बेडौल हो जाते हैं और इनमें फफूंद लग जाती है। हैंडबैग व पर्स का इस्तेमाल करने के बाद उन्हें सुरक्षित स्थान पर रख देना चाहिए।
- अधिक समय तक जब पर्स का प्रयोग न करना हो तो उसमें कागज भर कर रखें, ताकि आकार ठीक बना रहे। इन्हें बच्चों व फालतू जानवरों को खेलने के लिये देना नहीं चाहिए, क्योंकि इससे इनके खराब होने का डर बना रहता है।

मेरे लिए एक्टिंग ही सब कुछः विक्रांत मैसी

मुंबई

फिल्म ह्यद साबरमती रिपोर्टह्ल फेम अभिनेता विक्रांत मैसी ने स्पष्ट किया है कि वह रिटायरमेंट नहीं, बल्कि कुछ दिनों के लिए ब्रेक लेने जा रहे हैं। विक्रांत मैसी का लेटेस्ट बयान सामने आया है। नए बयान में मैसी ने कहा, मेरे लिए एक्टिंग ही सब कुछ है।

आज मेरे पास जो कुछ भी है, वह मुझे एक्टिंग ने ही दिया है। मेरे मेंटल और फिजिकल हेल्थ पर इसका बहुत असर पड़ रहा है। ऐसे में मैं बस कुछ समय के लिए ब्रेक लेना चाहता हूं, मैं अपने स्किल को और बेहतर बनाना चाहता हूं। थोड़ा ब्रेक चाहता हूं।अभिनेता ने कहा, मेरे पोस्ट का गलत अर्थ निकाला गया है कि मैं एक्टिंग की दुनिया छोड़ रहा हूं या इससे रिटायरमेंट ले रहा हूं। मैं अपने परिवार और स्वास्थ्य पर ध्यान देने के लिए कुछ समय के लिए ब्रेक लेना चाहता हूं, जब सही समय लगेगा तो मैं वापस आ जाऊंगा। ह्य12वीं फेलह्ल अभिनेता ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर करते हुए ह्यब्रेकह्ल अनाउंस की थी।

एल्बम के लिए गाने लिख रहे हैं पीयूष मिश्रा

मुंबई

अपनी जिंदगी और करियर को लेकर अभिनेता, गीतकार और गायक पीयूष मिश्रा ने कई अहम बातें साझा कीं। पीयूष मिश्रा ने कहा कि अनुराग कश्यप उनके लिए छोटे भाई की तरह हैं। यह भी बताया कि वह जल्द ही एक एल्बम के लिए गाने लिख रहे हैं, जो 2025 में रिलीज होने की उम्मीद है। पीयूष मिश्रा ने बताया, अनुराग मेरे लिए छोटे भाई की तरह हैं। मुझे याद है कि जब वह दिल्ली में कॉलेज के छात्र थे, तब वह मेरा नाटक देखने आते थे। आप अनुराग से उनके टैलेंट को लेकर जब पूछेंगे तो वह बड़ी मासूमियत से जवाब देंगे, मैं प्रतिभाशाली नहीं हूं, बल्कि ऊपर वाले की मेहरबानी है। ग्वालियर में जन्मे और नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा से ग्रेजुएट पीयूष मिश्रा ने अपने रंगमंच के दिनों को याद करते हुए कहा कि दिल्ली के रंगमंच पर उनका दौर सिर्फ रोमांटिक नहीं था। उन्होंने बताया, बेशक मैं अपने काम में पूरी तरह से डूबा रहता था और दिन में 10 घंटे से अधिक काम करता था। इस बात पर मुझे बहुत गर्व था और इसके अलावा मुझे कुछ भी नहीं समझ में आता था। अभिनेता ने अपनी निजी जिंदगी के बारे में भी बात की और कहा, मैं रिहर्सल के लिए जल्दी निकल जाता और नशे में घर लौटता था।

अमिताभ ने अपने ट्विटर पर डाला क्रिप्टिक पोस्ट, गुस्से वाली लगाई इमोजी

मुंबई

सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने अपने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर किया है, जिसे लोग परिवार से जुड़ी अफवाहों से जोड़कर देख रहे हैं। अमिताभ ने अपने ट्विटर पर एक क्रिप्टिक पोस्ट डाला, जिसमें उनका गुस्से वाला रूप दिख रहा है।

उन्होंने बस एक शब्द लिखाः चुप! इसके साथ ही उन्होंने गुस्से वाले इमोजी भी लगाए हैं। अब यह सवाल उठ रहा है कि बिग बी ने यह शब्द किसे और क्यों कहा, लेकिन उन्होंने इस-का कोई खुलासा नहीं किया है। फैंस का मानना है कि यह पोस्ट उनके बेटे अभिषेक और बहू ऐश्वर्या के रिश्ते पर सवाल उठाने वाले लोगों के लिए हो सकता है। अमिताभ बच्चन का गुस्सा पहले भी सोशल मीडिया पर देखा जा चुका है। एक दिन पहले ही बिग बी ने एक और ट्वीट किया था जिसमें उन्होंने लिखा था, ह्लहो गया था काम, फिर और काम आ गया।

कुछ शब्द सुनने थे उनको, जिनके पास नहीं रह गया!!ह्ल यह ट्वीट भी बहुत क्रिप्टिक था, और लोग कयास लगा रहे हैं कि इस पोस्ट में अमिताभ ने किसी को ताना मारा है। हालांकि, यह भी साफ नहीं है कि वह किसे इशारा कर रहे थे, लेकिन उनका गुस्सा साफ तौर पर दिखाई दे रहा था। अमिताभ बच्चन के इन गुस्से वाले पोस्ट्स को देखकर यह साफ लगता है कि वह इन दिनों किसी बात से बहुत परेशान हैं। कुछ लोग उनके ट्वीट्स का मजाक भी उड़ा रहे हैं,

जबकि कई लोग मानते हैं कि यह उनके परिवार की निजी जिंदगी से जुड़ी अफवाहों के कारण हो सकता है। हालांकि, अमिताभ बच्चन का गुस्सा अब सोशल मीडिया पर और भी ज्यादा दिखाई देने लगा है और इस पर फैंस तरह-तरह की चचाएं कर रहे हैं।

बता दें कि बच्चन परिवार के बारे में रोज नई गॉसिप्स और अफवाहें उड़ रही हैं, जो लोगों के लिए तो एंटरटेनमेंट का कारण बन रही हैं, लेकिन इस परिवार के लिए यह परेशानियां खड़ी कर रही हैं। इन दिनों ऐसी खबरें आ रही हैं कि अभिषेक बच्चन और ऐश्वर्या राय का तलाक होने वाला है। हाल ही में तो कुछ रिपोर्ट्स में यह भी दावा किया गया था कि यह कपल ग्रे डाइवोर्स लेने वाला है। इसके बाद आराध्या बच्चन के बर्थडे पर अभिषेक की गैर-मौजूदगी को लेकर भी सवाल उठे थे, हालांकि अब यह साबित हो गया है कि अभिषेक ने अपनी बेटी का बर्थडे मिस नहीं किया था, और सोशल मीडिया पर इस-के सबूत भी मिल चुके हैं।

फिल्म मिशन ग्रे हाउस का पहला पोस्टर सामने आया

मुंबई

फिल्म मिशन ग्रे हाउस का पहला पोस्टर सामने आया। फिल्म में एक रहस्यमयी व्यक्ति को मशाल पकड़े हुए दिखाया गया है। फिल्म के मुख्य पात्र कबीर राठौड़ को भी पोस्टर में प्रमुखता से दिखाया गया है, जो एक युवा पुलिस अधिकारी है।

फिल्म मिशन ग्रे हाउस को रफत फिल्म्स एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित और रिलायंस एंटरटेनमेंट द्वारा प्रस्तुत किया गया है। यह फिल्म 17 जनवरी 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। फिल्म की कहानी कबीर के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक खतरनाक अपराध को सुलझाने के लिए अपनी पूरी ताकत और समझदारी का इस्तेमाल करता है। जब उसके काम पर ध्यान जाता है, तो कियारा के पिता, जो एक इंस्पेक्टर जनरल हैं, कबीर को एक जटिल मामले की जिम्मेदारी सौंपते हैं। कबीर को ग्रे हाउस में हो रही रहस्यमयी हत्याओं का पदार्फाश करने का मिशन दिया जाता है, और जल्द ही वह खुद को एक खतरनाक सिचुएशन में फंसा हुआ पाता है, जहां उस-की जिंदगी दांव पर लग जाती है। अबीर खान ने अपने किरदार के बारे में बात करते हुए कहा, मैं इस पहली झलक के माध्यम से कबीर को दुनिया के सामने लाने के लिए रोमांचित हूं। यह मेरे लिए एक रोमांचक यात्रा रही है। मैं दर्शकों को मिशन ग्रे हाउस की रहस्यमयी दुनिया में ले जाने के लिए इंतजार नहीं कर सकता। फिल्म का निर्देशन नौशाद ने किया है और इसमें पूजा शर्मा, राजेश शर्मा, किरण कुमार, निखत खान, कमलेश सावंत और रजा मुराद जैसे अनुभवी अभिनेता भी शामिल हैं। निर्देशक नौशाद ने फिल्म के पहले लुक के बारे में कहा, यह लुक फिल्म के सार, रहस्य, सस्पेंस और हर कोने में छिपे खतरे को बेहतरीन तरीके से दशार्ता है।

बांग्लादेश में हिंदुओं की स्थिति पर सोनू ने जताई चिंता

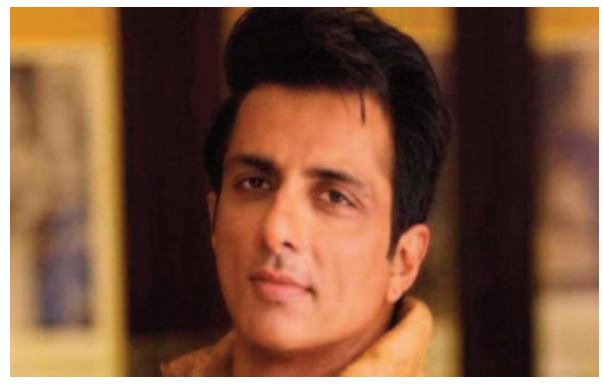

मुंबई

बालीवुड के मशहूर अभिनेता सोनू सूद अपनी अपकमिंग फिल्म फतेह के प्रमोशन के लिए इंदौर पहुंचे। यहां उन्होंने बांग्लादेश में हिंदुओं की स्थिति, युवाओं में नशे की लत और कई अन्य अहम मुद्दों पर अपनी राय दी।

सोनू सूद की फिल्म फतेह में उनकी भूमिका के साथ-साथ जैकलीन फर्नां-डिज और नसीरुद्दीन शाह भी अहम किरदारों में नजर आएंगे। यह फिल्म सोनू सूद के निर्देशन में बन रही है और 10 जनवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। मीडिया से बातचीत करते हुए सोनू सूद ने शहर की तारीफ की और कहा, यह काफी अच्छी बात है। यहां आकर अच्छा लगता है। इंदौर एक अच्छा संदेश दे सकता है ह्ल इसके बाद सोनू सूद इंदौर से उज्जैन पहुंचे, जहां उन्होंने बाबा महाकाल के दर्शन कर अपनी फिल्म ह्यफतेहह्ल की सफलता के लिए आशीर्वाद लिया। सोनू सूद ने अपनी फिल्म फतेह के बारे में बात करते हुए कहा, ह्लफतेह 10 जनवरी को देशभर में रिलीज होने के लिए तैयार है। फिल्म आम जनता की समस्याओं पर आधारित है। हम चाहते हैं कि यह फिल्म सफल हो, इसलिए यहां बाबा महाकाल के दर्शन करने और सफलता के लिए प्रार्थना करने आया हूं ह्ल

फिल्म के प्रमोशन के दौरान नशे की लत पर भी सूद ने चिंता जताई। उन्होंने कहा, ह्लयह एक बड़ी समस्या है, और युवाओं को इससे बचाना बेहद जरूरी है ह्ल सोनू सूद ने बागेश्वर पीठाधीश धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री के हिंदू राष्ट्र घोषित करने के बयान पर भी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा, मैं हमेशा से हिंदू भाइयों की सपोर्ट में खड़ा हूं और आगे भी हमेशा खड़ा रहूंगा।

बुमराह से मुकाबले को लेकर कोई दबाव नहीं : हेड

एडिलेड

ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने कहा कि वह भारतीय टीम के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का सामना करने को लेकर डरे हुए नहीं हैं। हेड ने कहा, बुमराह स्टंप्स पर आक्रामक करना पसंद करते हैं। वह शॉर्ट गेंदों का भी अच्छा इस्तेमाल करते हैं और ज्यादा रन बनाने का मौका नहीं देते पर मेरा मानना है कि अगर आप अपने पैरों की मूवमेंट को लेकर सतर्क रहें और ध्यान दें कि वह कहां से आपको आउट कर सकते हैं तो आप आप रन बना सकते हैं। मैं इसी ध्यान देते हुए काम करता हूं। वह दुनिया के बेहतरीन गेंदबाजों में से एक हैं पर मेरे लिए वह अन्य गेंदबाजों में से ही एक हैं जो मुझे पुरानी गुलाबी गेंद मुझे फेंक रहे होंगे। इसलिए मैं ज्यादा परेशान नहीं हूं। हेड ने पर्थ में हुए पहले टेस्ट में भी शानदार बल्लेबाजी करते हुए अर्धशतक लगाया था। वहीं पूर्व भारतीय कप्तान सुनील गावस्कर नेएडिलेड में गुलाबी गेंद से स्कॉट बोलैंड की गेंदबाजी देखने के लिए उत्सुक थे और उनकी ये इच्छा पूरी हो गयी। बोलैंड इस मैच में चोटिल जोश हेजलवुड की जगह उतरे और उन्होंने अच्छी गेंदबाजी की। बोलैंड ने करीब 18 महीने बाद टेस्ट मैच में वापसी की है। बोलैंड ने एडिलेड ओवल में अब तक एक ही टेस्ट खेला है, जिसमें उन्होंने 2022 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 3 विकेट (3/45) लिए थे।

36 साल के हुए रविन्द्र जडेजा

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर रवींद्र जडेजा 6 दिसंबर को 36 साल के हो गये। इस अवसर पर उन्हें साथ खिलाड़ियों के साथ ही प्रशंसकों ने भी बधाई दी है।

जडेजा भारतीय क्रिकेट के सबसे अच्छे ऑलराउंडरों में उनकी गिनती होती है। जडेजा इस साल की शुरूआत में टी20 विश्वकप में मिली जीत के बाद टी20 क्रिकेट को अलविदा कह दिया था।

टेस्ट में उनके नाम 300 से अधिक विकेट होने के साथ ही 3000 से अधिक रन हैं। वह दो बार सफेद गेंद से आईसीसी खिताब जीतने के दौरान टीम में रहे हैं।

ये जीत उन्हें चैंपियंस ट्रॉफी 2013 और आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 में मिली हैं।

जडेजा ने अपने करियर के यादगार इस साल की शुरूआत में न्यूजीलैंड के खिलाफ मुंबई टेस्ट के दौरान दोनो ही पारियों में पांच-पांच विकेट लिए थे। एक पारी में 100 से अधिक रन और 5 विकेट का रिकार्ड भी उनके नाम है।

बीसीसीआई अभी तक नया बोर्ड सचिव नहीं तलाश पाया

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) अभी तक जय शाह के अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) के चेयरमैन बनने के बाद खाली हुए जगह की तलाश अभी तक पूरी नहीं कर पाया हैं। बोर्ड सचिव पद को लेकर गुजरात के अनिल पटेल और बोर्ड के मौजूदा संयुक्त सचिव देवजीत सैकिया का सबसे आगे चल रहा है। वहीं इसके अलावा डीड-ीसीए अध्यक्ष रोहन जेटली का नाम भी सामने आ रहा है। हालांकि बीसीसीआई से जुड़े राज्य संघों के अलावा अधिकारियों को भी ये पता नहीं कि उनकी जगह कौन लेगा। बीसीसीआई सचिव के पास ह्यक्रिकेट और गैर-क्रिकेट मामलों से संबंधित सभी शक्तियां हैं यहां तक कि मुख्य कार्यकारी अधिकारी भी उसे रिपोर्ट करते हैं। शाह को अगस्त में आईसीसी चेयरमैन के लिए चुना गया था और तब से ही बीसीसीआई के हितधारक बोर्ड में होने वाले बदलाव के बारे में सोच रहे हैं। बीसीसीआई के एक प्रशासक ने कहा, कि हमें अभी नहीं पता कि कौन सचिव बनेगा उन्होंने कहा, ऐसे मामले हैं, जिनसे हर दिन निपटना पड़ता है और जो कोई भी आता है, उसे बीसीसीआई के संचालन के बारे में जानकारी होनी चाहिए। गौरतलब है कि निर्वाचित पदाधिकारी के इस्तीफा देने के बाद से बोर्ड के पास विशेष आम बैठक (एजीएम) बुलाने और उसके उत्तराधिकारी का चयन करने के लिए 45 दिन का समय होता है। ऐस में बोर्ड के पास पद भरने के लिए जनवरी के मध्य तक का समय है। संविधान के अनुसार बीसीसीआई को चुनाव से कम से कम चार सप्ताह पहले एक निर्वाचन अधिकारी की नियुक्ति भी करनी होती है। राज्य इकाई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि बोर्ड के पास बदलाव को पूरा करने के लिए पर्याप्त समय है।

इस अधिकारी ने कहा, ह्यह्य अब तक इस मामले का निपटारा पूरा हो जाना चाहिए था। सचिव को अधिकांश दस्तावेजों पर हस्ताक्षर करने होते हैं। इस मामले को एजीएम (सितंबर में) में उठाया जाना चाहिए था, लेकिन उस समय किसी ने सवाल नहीं उठाया। राज्य इकाई के एक अन्य पदाधिकारी ने कहा कि अभी बीसीसीआई में अहम फैसले लेने का अधिकार रखने वाले की कमी है

यशस्वी को देखकर एक दशक पहले का अपना दौरा याद आ गया : राहुल

एडीलेड

बल्लेबाज केएल राहुल ने कहा है कि वह जब भी युवा यशस्वी जायसवाल को देखते हैं। उन्हें एक दशक पहले का अपना ऑस्ट्रेलिया दौरा याद आ जाता है। वह एक प्रकार से यशस्वी में अपने आप को देखते हैं। राहुल ने साल 2014-15 की मेलबर्न क्रिकेट मैदान (एमसीजी) पर पदार्पण करते हुए छठे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए तीन और एक रन बनाये थे पर इसके बाद अगले मैच मैच में उन्होंने सलामी बल्लेबाज के रूप में जबरदस्त वापसी करते हुए सिडनी में 110 रन बनाये थे।

सिडनी में दूसरी पारी में राहुल दबाव में भी थे। उन्होंने एक घंटे में मुरली विजय के साथ तब केवल

16 रन बनाए थे, तब विजय ने उन्हें आराम से खेलने को कहा था। राहुल अब यशस्वी जायसवाल के साथ वही भूमिका निभाने का प्रयास कर रहे हैं जो पूर्व सलामी बल्लेबाज और राष्ट्रीय टीम के सीनियर साथी विजय ने उनके साथ निभाई थी। राहुल और यशस्वी ने पर्थ में पहले टेस्ट की दूसरी पारी में 201 रन की रिकार्ड साझेदारी की थी।

यशस्वी ने पर्थ में शतक लगाया था जबकि राहुल ने 77 रन बनाए थे। यशस्वी के साथ अपनी बातचीत के बारे में पूछे जाने पर राहुल ने कहा, ह्यमैंने उसमें अपने आप को देखा, जैसा कि मैं 10 साल पहले था, पहली बार पारी की शुरूआत कर रहा था, बहुत सारे संदेह, बहुत सारी घबराहट और आप अपने खेल पर संदेह करते रहते हैं और आपके दिमाग में बहुत कुछ चलता रहता है और इसलिए आप बस इतना कर सकते हैं कि चीजों को धीमा करने की कोशिश करें, कुछ गहरी सांसें लेने की कोि-शश करें। राहुल ने सिडनी में अपने टेस्ट शतक को याद करते हुए कहा कि उनसे यही बात तब विजय ने कही थी।

विशेष सूचना

आज से समाचार पत्रा में वही संवाददाता वैध रहेंगे जिनके नाम प्रेस लाईन के ऊपर बने बॉक्स में दशार्ये गये हैं।

समाचार व विज्ञापनों के लिए सम्पर्क करें।

सारिका
डेक्स एडिटर
7500992656

नाथीराम कश्यप
विशेष संवाददाता, लक्सर
9411119095

शादाब अली
देहरादून
मो. 9897139325

शमशाद अहमद
भगवानपुर

सभी राज्यों में, जिला, तहसील व ब्लॉक, स्तर पर प्रभारी व रिपोर्टर पद हेतू कार्य करने के इच्छुक युवक/युवतियां सम्पर्क करें।

अमित कुमार मंगोलिया
सम्पादक
प्रधान कार्यालय
मिशन नेशनल न्यूज, पुल
जटवाड़ा, घास मण्डी, ज्वालापुर,
हरिद्वार
मो. 9219141431

किसी भी तरह के विवाद का निपटारा हरिद्वार न्यायालय में होगा

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक अमित कुमार ने जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार ;उत्तराखण्ड से मुद्रित कराकर, मुख्य कार्यालयः घास मण्डी, वाल्मीकि बस्ती, ज्वालापुर, हरिद्वार पिन 249407 (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित किया। किसी भी तरह के विवाद का निपटारा हरिद्वार न्यायालय में होगा सम्पादकः अमित कुमार